राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,18जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -349 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुछ वर्ष बाद डेढ़ हजार अरब रुपये से भी ज्यादा का हो जाएगा दुनिया में ड्रोन का बाजार

नई दिल्ली। सेना दिवस परेड में पहली बार ड्रोन की ताकत का प्रदर्शन किया गया। दुश्मन के ठिकानों पर कहर बनकर टूटने वाले ड्रोन सेना की शान हैं। हालिया दौर में ड्रोन हर सेना के अहम अंग बनते जा रहे हैं। हालांकि, सैन्य गतिविधियों के अलावा विभिन्न शोध गतिविधियों से लेकर फोटोग्राफी तक ड्रोन का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। आइए जानते हैं कि आज कैसी है ड्रोन की स्थिति है और इसका भविष्य कैसा होगा...

अगले कुछ वर्षों में और बड़ा हो जाएगा ड्रोन का बाजार

साल 2019 में वैश्विक सैन्य ड्रोन बाजार 10.53 अरब डॉलर (770 अरब रुपये) का था। अनुमान है कि 2027 तक यह बाजार बढ़कर 23.78 (1,739 अरब रुपये)अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इस दौरान 12.12 फीसद की कुल वार्षिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। इसके साथ ही 2020-2025 के मध्य ड्रोन का व्यावसायिक बाजार 22.5 अरब डॉलर (1,645 अरब रुपये) से 42.8 अरब डॉलर (3,129 अरब रुपये) होने का अनुमान लगाया गया है। इस दौरान 13.8 फीसद कुल वार्षिक वृद्धि दर का अनुमान है। चीन स्थित डीजेआइ दुनिया में सबसे बड़ी ड्रोन निर्माता कंपनी है। वैश्विक बाजार का 70 फीसद यहीं से आते हैं। साधारण रूप से कहें तो ड्रोन एक उड़ने वाला विमान है, जिसमें पायलट नहीं है। मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) के रूप में ड्रोन आमतौर पर पायलट द्वारा नियंत्रित रोबोट होते हैं। हालांकि पूरी तरह से स्वायत्त ड्रोन विकास के अंतिम चरण में हैं, जिसके बाद ड्रोन की दुनिया और भी बेहतर होगी। ड्रोन को दो दशक से अधिक समय हो गया है, प्रथम विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और फ्रांस दोनों ने स्वचालित मानव रहित हवाई जहाज विकसित करने पर काम किया था। हालांकि ब्रिटेन ने 1917 में रेडियो से नियंत्रित होने वाले हवाई उड़ान का परीक्षण किया था।

औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करना चाहती है शिवसेना

कांग्रेस ने किया विरोध तो बोली- फिर से इतिहास पढ़े सेक्यूलर पार्टी

मुंबई। औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने के प्रस्ताव पर विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र में साथ-साथ सरकार चला रही शिवसेना ने अपने सहयोगी कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष किया है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष होने और नाम परिवर्तन का विरोध करने के लिए हमला किया है। 'सामना' के एक संपादकीय में कहा गया है कि औरंगाबाद का नाम बदलने से धर्मनिरपेक्ष दलों के वोट बैंक पर असर पड़ सकता है, क्योंकि नाम बदलने से मुस्लिम समाज नाराज होगा।

संपादकीय में लिखा गया है, भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष था। औरंगजेब को अन्य धर्मों से सख्त नफरत थी। उसने सिखों और हिंदुओं पर अत्याचार किया। हमें उनके अवशेषों पर ध्यान क्यों देना चाहिए? औरंगजेब कौन था?

कम से कम महाराष्ट्र को यह समझाने की जरूरत नहीं है। इसलिए एक सच्चे मराठी और कट्टर हिंदू व्यक्ति को औरंगज़ेब से लगाव होने का कोई कारण नहीं है।

आगे लिखा है, औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने को लेकर एक राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस जैसी सेक्युलर पार्टियां औरंगाबाद को संभाजीनगर का नाम देने के पक्ष में नहीं हैं। औरंगाबाद का नाम बदलने से मुस्लिम समाज नाराज हो जाएगा।यानी, अल्पसंख्यकों का उनका वोट बैंक प्रभावित होगा। इसका अर्थ यह है कि उनकी धर्मनिरपेक्ष छवि पर सवाल उठाया जाएगा।

महा विकास अगाड़ी (एमवीए) सरकार जिसमें शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), और कांग्रेस शामिल हैं, ने नवंबर 2020 में एक साल का कार्यकाल पूरा किया था। आपको बता दें कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद शिवसेना, भाजपा नीत एनडीए से बाहर हो गई।

'सामना' के एक संपादकीय में कहा गया है कि औरंगाबाद का नाम बदलने से धर्मनिरपेक्ष दलों के वोट बैंक पर असर पड़ सकता है, क्योंकि नाम बदलने से मुस्लिम समाज नाराज होगा।

संपादकीय में आगे कहा गया है कि महाराष्ट्र में ऐसे लोगों का एक बड़ा वर्ग है जो नाम बदलने के पक्ष में हैं। आगे लिखा है, क्या औरंगाबाद का नामकरण लोगों के विकास की समस्या को हल करता है? नाम बदलने का विरोध करने वाले इस तरह के मुद्दे को उठा रहे हैं। हालांकि, कम से कम महाराष्ट्र में औरंगजेब का कोई निशान नहीं रखा जाना चाहिए। लोगों का एक बड़ा वर्ग है, जो इसके पक्ष में हैं। औरंगज़ेब के आदेश पर, महाराष्ट्र के राजा संभाजी को मुगल सरदारों द्वारा प्रताड़ित और मार डाला गया और उनके शव को पुणे के पास सड़क पर फेंक दिया गया। शिवसेना ने महाराष्ट्र के नेताओं से औरंगज़ेब के इतिहास को फिर से पढ़ने के लिए कहा।

'संभाजीनगर' का निर्णय एकमत से लिया जाएगा-आदित्य ठाकरे

आदित्य ठाकरे ने एक कार्यक्रम में कहा, हिंदू हृदयसम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे का संभाजीनगर सबसे पसंदीदा शहर रहा है, इसलिए राज्य की महाविकास आघाड़ी सरकार संभाजीनगर पर निर्णय एकमत से लेगी।

इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन मैनेजर रूपेश सिंह हत्याकांड में पटना पुलिस ने नौ संदिग्धों को उठाया

पटना। बिहार की राजधानी पटना में इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन मैनेजर रूपेश सिंह हत्याकांड के मामले में शक के आधार पर शनिवार की देर रात पुलिस ने पुनाईचक और राजाबाजार के नौ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मानें तो उठाये गये लोगों में जहां कई अपराधी प्रवृत्ति के हैं। वहीं कुछ के तार एयरपोर्ट से जुड़े रहे हैं। सूत्रों ने बताया है कि अपराधियों की तलाश में दिल्ली, यूपी व गोवा गई पुलिस टीम शनिवार को खाली हाथ पटना लौट आयी। ऐसे में सीसीटीवी का जो फुटेज हाथ लगा है, उसकी जांच व धुंधली तस्वीर उजागर करने के लिए लैब में भेजा गया है। दरअसल, वारदात के बाद रूपेश सिंह की कार में मिले मोबाइल को पुलिस ने जब्त किया है। कॉल डिटेल्स और मैसेज चैटिंग के दौरान हुई बातों को गंभीरता से लेते हुये देकर नौ संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस की एक टीम ने टेंडर या रुपए की लेनदेन की जांच करने के लिए एक सरकारी

एसआईटी मामले की तह तक जाने व हत्या से जुड़ी कड़ियों का पता लगाने में जुटी है। सूत्रों की मानें तो शनिवार की देर शाम पुलिस ने पुनाईचक, राजाबाजार, कंकड़बाग और दीघा में दबिश विभाग में भी दबिश दी थी। माना जा रहा है कि हत्या के तार पटना और दो अन्य जिलों से जुड़ रहे हैं। ऐसी भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि हो न हो शूटर इन्हीं तीनों जिलों के हों।

कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर योगी सरकार ने बढ़ाई सतर्कता, दुष्प्रचार और अफवाह पर होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ। कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर सरकार सख्त नजर रख रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरे प्रदेश में पुलिस-प्रशासन के साथ मिलकर ऐसी किसी भी प्रकार की अफवाहों लगातार निगरानी कर रहा है। मुख्यमंत्री ने वैक्सीन के बारे में अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोरोना वैक्सीन को लेकर अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं। सरकार ऐसे अराजकतत्वों से सख्ती से निपटेगी और उन पर कानूनी कार्रवाई भी करेगी। दर असल वैक्सीनेशन को लेकर पहले से

ही प्रदेश के विभिन्न भागों से अलग-अलग तरफ की अफवाहें फैलाए जाने की सूचना सरकार को लगातार मिल रही थी। कुछ गुप्चर एजेन्सियों की ओर से यह भी इनपुट था कि वैक्सीन के बारे में दुश्प्रचार कर कुछ लोग अव्यवस्था फैला सकते हैं। इसी के मद्देनजर सरकार ने वैक्सीनेशन को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। टीकाकरण को लेकर बनी उच्च स्तरीय स्टेट स्टेयरिंग कमेटी फार इम्यूनाजेशन के निर्देश के बाद सभी जिला व पुलिस प्रशासन को इस बारे में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को भी यह निर्देश दिए गए हैं कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह को तत्काल समाप्त करने के लिए अपनी तैयारी रखे। वैक्सीन को लेकर कोई किसी प्रकार का भ्रम न रहे इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग के महानिदेशकों के साथ प्रदेश के बड़े अस्पतालों व चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों को सबसे पहले वैक्सीन लगवाने के निर्देश दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि ऊपरी स्तर के चिकित्साधिकारियों को वैक्सीन लग जाने के बाद ही निचले स्तर को फ्रंट लाइन वर्कर्रों को वैक्सीन लगाने की कार्यवाही शुरू की जाए ताकि आम लोगों में किसी प्रकार की कोई भ्रम की स्थिति न पैदा हो सके।

ठंड की मार के बीच दिल्ली की हवा हुई जहरीली, AQI 400 के पार

नई दिल्ली। कोहरे की चादर में लिपटी दिल्ली जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है। सिस्टम ऑफ एयर क्वॉलिटी एंड वेदर फोरकास्ट एंड रिसर्च का कहना है कि दिल्ली की हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है। AQI की बात करें तो दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 428 पर है। दिल्ली में बीते कई दिनों से कोहरे का कहर भी देखने को मिल रहा है। कल दिल्ली में धुंध इतनी थी कि विजेबिलिटी जीरो हो गई थी जिससे आम लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई ट्रेन और उड़ाने भी इसके चलते कैंसिल हो गई। बीते कई दिनों से ठंड की मार झेल रही राजधानी को आने वाले समय में कुछ राहत मिल सकती है। असल में मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार से दिल्ली में हवा की दिशा मुख्यतः पूर्व दिशा की तरफ से रहेगी। इसके चलते दिल्ली के तापमान में दो से तीन डिग्री तक का इजाफा हो

सकता है। बता दें कि दिल्ली के लोगों के लिए पिछले पांच-छह दिन कड़ाके की सर्दियों वाले बीते हैं। कोहरे और शीत लहर ने दिल्ली वालो को जमकर सताया है। लेकिन, अब कड़ाके की सर्दियों से खासी राहत मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि पंजाब, पश्चिम उत्तर प्रदेश हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, असम और मेघालय में आज सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ है।

चीन में आईसक्रीम तक पहुंचा कोरोना वायरस, तीन सैंपल पॉजिटिव मिले

बीजिंग। दुनियाभर में इंसानों के बीच फैल रहा कोरोना वायरस अब आईसक्रीम तक भी पहुंच गया है। जी हां, आपने एकदम सही पढ़ा! मामला उत्तरी चीन के तियानजीन म्यूनिसिपैलिटी इलाके का है जहां महामारी के खिलाफ काम कर रहे अधिकारियों को तीन आईसक्रीम के सैंपल में कोरोना संक्रमण मिला है। अब प्रशासन उन लोगों की तलाश कर रहा है जो इन आईसक्रीम के संपर्क में आए थे।

आईसक्रीम तियानजीन की Daqiaodao Food Company ने बनाई थी। अब संक्रमण की वजह से कंपनी को 2089 आईसक्रीम के डिब्बे

नष्ट करने पड़े। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि करीब 4, 836 आईसक्रीम के डिब्बे संक्रमित हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, संक्रमण का पता लगने तक आईसक्रीम के आधे से ज्यादा डिब्बे बिक्री के लिए अलग-अलग वेंडर्स को बांटे जा चुके थे। तियानजीन के बाहर जिन प्रांतों में यह आईसक्रीम भेजी गई, वहां बाजार नियामकों को इसकी जानकारी दे दी गई है। जिन ग्राहकों ने यह आईसक्रीम खरीदी उन्हें भी अपने स्वास्थ्य की जानकारी देने के लिए कहा गया है।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक कंपनी ने अपने 1 हजार 662 कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट करवाया है और उन्हें क्वॉरंटीन कर दिया है।

अधिकारियों का मानना है कि कोरोना वायरस आईसक्रीम में इसलिए जीवित रह गया क्योंकि यह काफी ठंडी होती है। उनके मुताबिक, किसी संक्रमित व्यक्ति से ही आईसक्रीम तक कोरोना पहुंचा है।

यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के एक वायरोलॉजिस्ट डॉ. स्टीफन ग्रिफिन ने स्काई न्यूज को बताया कि आईसक्रीम में संक्रमण पहुंचने से घबराने की जरूरत नहीं है। संभव है कि यह किसी संक्रमित व्यक्ति से आया हो। शुरुआती जांच के मुताबिक, कंपनी ने न्यूजीलैंड से मंगाए मिल्क पाउडर और यूक्रेन से आयात किए वे पाउडर का इस्तेमाल कर आईसक्रीम बनाई थी।

बिहार की राजनीति में फिर उतर रहे शाहनवाज, 'मुस्लिम कार्ड' के पीछे जानें क्या है भाजपा की रणनीति ?

पटना। बिहार में भाजपा ने शाहनवाज हुसैन को विधान परिषद का उम्मीदवार बना सीमांचल में अपनी पैठ बनाने के लिए मुस्लिम कार्ड खेला है। गत बिहार विधानसभा चुनाव में ओवैसी ने अपनी पार्टी के 24 उम्मीदवार दिए थे, जिनमें पांच जीते। बाकी सीटों पर महागठबंधन को नुकसान पहुंचाया था। इस तरह ओवैसी ने उस क्षेत्र में पैठ बना ली है। महागठबंधन की जड़ें ओवैसी ने खोदी और अब भाजपा ने इसका लाभ लेने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। शाहनवाज हुसैन न सिर्फ सियासत के जाने-माने चेहरा हैं, बल्कि सीमांचल से ही उनका राजनीति में उदय हुआ है। किशनगंज से सीमांचल के जाने माने नेता तसलीमुद्दीन को हराकर पहली बार सांसद बने। इसके बाद भागलपुर से दो बार सांसद रहे। इनके बहाने भाजपा सीमांचल में अल्पसंख्यकों के बीच अपनी पैठ बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। शाहनवाज हुसैन को विधान परिषद भेजने का फैसला कर पार्टी ने अल्पसंख्यक कार्ड खेला है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में भाजपा ने भले ही किसी मुसलमान को टिकट नहीं दिया, पर शाहनवाज को आगे कर पार्टी ने अल्पसंख्यक समुदाय को साधने की कोशिश शुरू कर दी है। भाजपा के रणनीतिकारों की मानें तो शाहनवाज

इसके बाद वर्ष 2009 के चुनाव में भी भागलपुर से लोकसभा सांसद बने। सांसद रहने के दौरान वे सबसे पहले 14 अक्टूबर, 1999 को केंद्रीय खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री बने। एक मई 2001 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बने। सबसे कम उम्र में कैबिनेट मंत्री बनने रिकॉर्ड बनाने वाले शाहनवाज देश के कपड़ा मंत्री भी रह चुके हैं।

सीमांचल में पार्टी की सियासत के लिए अहम साबित हो सकते हैं। विस चुनाव के बाद ही भाजपा में किसी अल्पसंख्यक चेहरे को आगे करने की रणनीति पर मंथन चल रहा था। पहले पार्टी ने राज्यस्तरीय नेता को ही आगे लाने की योजना बनाई पर कोई ऐसा चेहरा नहीं दिखा जो ओवैसी फैक्टर को मात देने के साथ ही भाजपा के लिए असरदार साबित हो। तब रणनीतिकारों ने राष्ट्रीयस्तर पर बेबाकी से हर मंच पर भाजपा का मजबूती से पक्ष रखने वाले शाहनवाज को विधान परिषद में भेजकर अल्पसंख्यक कार्ड खेला। सुपौल में 12 दिसम्बर 1968 को जन्मे शाहनवाज ने दिल्ली आईआईटी से इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है। वह हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू व अरबी जानते हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा में राष्ट्रीय सचिव रहते युवा नेता की पहचान बनाई। पहली बार किशनगंज से वर्ष 1999 में मो. तसलीमुद्दीन को हराकर 13वीं लोकसभा के सदस्य बने। वहीं, सुशील कुमार मोदी के इस्तीफे के बाद खाली हुई भागलपुर सीट से 2006 में उपचुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे। इसके बाद वर्ष 2009 के चुनाव में भी भागलपुर से लोकसभा सांसद बने। सांसद रहने के दौरान वे सबसे पहले 14 अक्टूबर, 1999 को केंद्रीय खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री बने। एक मई 2001 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बने। सबसे कम उम्र में कैबिनेट मंत्री बनने रिकॉर्ड बनाने वाले शाहनवाज देश के कपड़ा मंत्री भी रह चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सेहत का सवाल

कोरोना और लॉकडाउन की वजह से जब दुनिया भर में लोग ज्यादा से ज्यादा समय घर में बिताने को तरजीह दे रहे हैं, तब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक सच्चाई को हमारे सामने रखकर न सिर्फ हमें सचेत किया है, बल्कि आगे का सही रास्ता भी दिखाया है। आज शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी खतरे मंडरा रहे हैं। ऐसे में, यह जरूरी है कि शारीरिक गतिविधियों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि शारीरिक गतिविधियों को अगर अपेक्षा अनुरूप रखा जाए, तो दुनिया में हर साल होने वाली 40 से 50 लाख मौतों को टाला जा सकता है। मोटे तौर पर दुनिया में हर डेढ़ सौ इंसानों में से एक की जिंदगी शारीरिक गतिविधियों के अभाव की वजह से खतरे में पड़ती है। खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान बताता है कि दुनिया में 27.5 प्रतिशत वयस्क और 81 प्रतिशत किशोर शारीरिक गतिविधियों के पैमानों पर खरे नहीं उतरते हैं, अर्थात इतने लोग अपने शरीर को उतना नहीं चलाते हैं, जितना कि चलाना चाहिए। विगत एक दशक में इस मोर्चे पर कोई अंतर नहीं आया है। लोग अपने स्वास्थ्य या शारीरिक गतिविधियों की जरूरत को लेकर सजग नहीं हो रहे हैं। ताजा दिशा-निर्देशों के अनुसार, 5 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रतिदिन कम से कम 60 मिनट की मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। इसमें एरोबिक गतिविधियों के साथ-साथ मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत करने की गतिविधि भी जरूरी है। यदि इस उम्र के लोग जरूरत भर का व्यायाम या कार्य कर लें, तो उनका शरीर मजबूत हो सकता है। उनका हृदय, रक्तचाप, ग्लूकोज, अस्थियां, मन-दिमाग, शैक्षणिक प्रदर्शन सुधर सकता है। कोरोना के समय हमने देखा है, बच्चों की गतिविधियां मोबाइल या स्क्रीन तक सिमट रही हैं। अभी आंकड़े नहीं आए हैं, पर आने वाले महीनों में मोटापे व विभिन्न रोगों के आंकड़े भी जारी होंगे और हमें पता चल सकेगा कि कोरोना या लॉकडाउन ने हमें कितना नुकसान पहुंचाया है। 18 से 64 वर्ष की आयु के वयस्कों को कम से कम तीन से पांच घंटे की मध्यम-तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि या हर हफ्ते कम से कम 75-150 मिनट की जोरदार तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि करनी चाहिए। मांसपेशियों केलिए व्यायाम भी सप्ताह में दो या अधिक दिन करने की सिफारिश की जाती है। दिशा-निर्देशों में साफ कहा गया है कि वयस्कों में गतिहीन व्यवहार से हृदय रोग, कैंसर और टाइप -2 मधुमेह की आशंका बढ़ सकती है। 65 से ज्यादा उम्र के लोगों को अपनी जरूरत और क्षमता के लिहाज से गतिविधियां करने की सिफारिश की गई है, तो इसे समझा जा सकता है। यह भी गौर करने की बात है कि लड़कियां और महिलाएं अपेक्षाकृत कम सक्रियता दिखा रही हैं। हर परिवार और संस्थान को शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने के उपाय करने चाहिए। भारत सहित ज्यादातर देशों में स्वास्थ्य को निजी मामला मान लिया जाता है, जबकि यह विषय पूरे समाज-देश से जुड़ा है। क्या जब कोई बीमार पड़ता है, तो अनगिनत लोगों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव नहीं पड़ता है? एक बीमार आदमी भी सबकेतन, मन और धन को नुकसान पहुंचा सकता है। अत- बीमारियों से बचने के लिए सभी को मिलकर आगे आना होगा, तभी हमारी गतिशीलता बढ़ेगी और हम ज्यादा सेहतमंद रहेंगे।

आज के ट्वीट

दुख

राजस्थान के जालौर में हुए बस हादसे की खबर से अत्यंत दुख पहुंचा है। इस दुर्घटना में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मैं उनके परिवार वालों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं: - पीएम

डाटा महाठगिनी हम जानी

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

वाट्सएप, फेसबुक, यू-ट्यूब, जी-मेल वगैरह हमें मुफ्त में मिलते हैं और प्ले स्टोर या एप स्टोर के जरिए हमारे मोबाइल फोन में आ विराजते हैं। हमारे यहां दान की बछिया के दांत न गिनने की परंपरा है, इसलिए इनकी खामियों या हमारे जीवन पर इनके अन्यथा असर को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। अगर ये सब आपको मुफ्त नहीं मिलते तो? तब आपको उसकी पूरी कीमत चुकानी पड़ती। यानी इनोवेशन, डेवलपमेंट और लगातार अपग्रेड की लागत, दुनिया के सबसे महंगे प्रबंधकों और कर्मचारियों की तनख्वाहें, आलीशान दफ्तरों और परिसरों के रखरखाव पर होने वाले खर्च, कंपनी के हरदम चलते रहने वाले सर्वरों पर व्यय होने वाली रकम, इसके अलावा अलाने-फलाने मदों में लगे ढेर सारे पैसे भी तब हमसे वसूले जाते। हमारी सरकारें भी इन पर जीएसटी वगैरह लगातीं। तब हो सकता है कि हमारे सारे एप की कुलजमा कीमत हमारे मोबाइल फोन से भी ज्यादा हो जाती। जाहिर है, हम आज सुबह-शाम जिन एप का इस्तेमाल करते हैं, उनमें से बहुत सारे एप तब हमारे मोबाइल में नहीं होते। काफी सारे लोग या तो इतना खर्च वहन करने की स्थिति में नहीं होते, या उन्हें यह पैसे की बर्बादी लगता। किसी भी स्थिति में वे एप की कीमत को उससे मिलने वाली सुविधाओं से तौलते तो जरूर ही। मोबाइल सॉफ्टवेयर कंपनियां ये सब जानती हैं, इसलिए उन्होंने इसका दूसरा तरीका अपनाया है- तुम हमें अपनी जानकारियां दो, हम तुम्हें मुफ्त एप और उसकी सेवाएं देंगे। संचार की इस नई दुनिया का सारा अर्थशास्त्र हमारी इन जानकारियों, यानी डाटा के कारोबार पर टिका है, जैसे अखबार और टेलीविजन जैसे परंपरागत मीडिया का व्यवसाय विज्ञापनों पर। हम इसे सहर्ष स्वीकार करते हैं और बीच-बीच में ऋतु परिवर्तन की तरह निजता जैसे नैतिक मुद्दे भी उठते रहते हैं। नए साल की इन सर्दियों में वाट्सएप की निजता नीति में बदलाव हमारे 4-जी विमर्श को नई गरमी दे गया। वाट्सएप ने अगले महीने के दूसरे सप्ताह से लागू होने वाली जो नई निजता नीति की घोषणा की थी, उसमें आपकी बहुत सारी जानकारियां अपनी पैरेंट कंपनी फेसबुक के हवाले करने की बात थी। हालांकि, इसमें भी कुछ नया नहीं था। साल 2014 में जब फेसबुक ने वाट्सएप को खरीदा था, तब उसने यह कहा था कि दोनों कंपनियां डाटा शेयर नहीं करेंगी। लेकिन दो साल बाद ही यह वचन तोड़ दिया गया और पिछले चार साल से यह सब आराम से चल रहा है। इसमें नई चीज यह है कि अब इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है। अभी तक वाट्सएप आपसे बहुत सी जानकारियां नहीं लेता था, अब वह भी आपसे ले लेना चाहता है। बहुत से लोगों की चिंता इसलिए भी है कि वाट्सएप के जरिए बहुत से लोग पेमेंट भी करने लगे हैं। इसके अलावा, ऐसी व्यवस्था भी की जा रही है कि लोग वाट्सएप के जरिए खरीदारी भी कर सकें। लोगों को डर है कि अब उनके सारे लेन-देन और खरीद-फरोख्त की जानकारियां भी वाट्सएप से होती हुई फेसबुक के हवाले हो जाएंगी। यह पहली बार होगा, ऐसा भी नहीं है। गूगल पहले से यह कर रहा है, लेकिन उसकी बात हम बाद में करेंगे, फिलहाल एक और एप की बात। अमेजन के एप से आप ऑनलाइन खरीदारी भी कर सकते हैं, भुगतान भी कर सकते हैं और वह इस पर भी नजर रखता है कि आप इस समय हैं कहां? यानी वाट्सएप जो नया कर रहा है, वह तो पहले से ही हो रहा है। फिर ऐसी कोई जानकारी नहीं है, जो गूगल आपसे इस या उस तरीके से न लेता हो। उसे पता होता है कि आप इस समय कहां हैं? उसे मालूम होता है कि आप कब कहां गए थे? उसे पता होता है कि आपने किन बिलों का भुगतान कर दिया, किनका अभी बाकी है और किस बैंक की किस्त इस बार आप नहीं चुका पाए? वह जानता है कि किसने आपको मेल भेजा, आपने किसको जवाब दिया और किसको नहीं? कई बार वह यह भी बता देता है कि आपको जवाब क्या देना है? आपकी ही नहीं, आपके पूरे परिवार की जन्मतिथि भी उसे पता है, उनके फोन नंबर और बैंक अकाउंट नंबर भी। आपके मर्ज और डॉक्टर की जानकारी भी उससे नहीं छिपी है। लोगों की जानकारियों के बदले उन्हें सेवा देने के कारोबार की बड़े पैमाने पर शुरुआत गूगल ने ही की थी और वही इस बाजार का अगुवा भी है। साल 2019 में उसने 161 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया था, जबकि फेसबुक का मुनाफा इसके आधे से भी कम, यानी 71 अरब डॉलर के करीब था। फेसबुक भी अब गूगल के रास्ते पर चलकर अपना मुनाफा बढ़ाना चाहता है, और इसके लिए आपसे वही सब जानकारियां मांग रहा है, जो आप खुशी-खुशी गूगल को देते रहे हैं। लेकिन ऐसा क्या हो गया कि गूगल का गुड़ खाने वाले अचानक ही फेसबुक और वाट्सएप के गुलगुलों से परहेज करने लग गए? इसका जवाब फेसबुक कंपनी के चरित्र में है। फेसबुक एक ऐसी कंपनी है, जो अक्सर गलत कारणों से खबरों में रहती है। चाहे डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव से जुड़े विवाद हों या भारत में उसकी प्रतिनिधि आंखी दास से जुड़े विवाद। हर बार फेसबुक एक ऐसी कंपनी के रूप में सामने आती है, जिसे प्रबंधन की भाषा में 'बैडली मैनेज्ड' कंपनी कहा जाता है। निजता नीति के ताजा विवाद में भी यही दिखाई देता है। यह नीति तकरीबन सभी कंपनियां समय-समय पर बदलती रही हैं, लेकिन वाट्सएप ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उसमें एक तरह की धमकी निहित थी- आप सहमत नहीं हैं, तो आपका अकाउंट बंद! धमकी ने संदेह भी पैदा किए और उपयोगकर्ताओं को सिग्नल व टेलीग्राम जैसे प्रतिद्वंद्वियों की ओर धकेल दिया, यानी शब्दों ने खता की, साख ने सजा पाई। फिलहाल इसे टाल दिया गया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

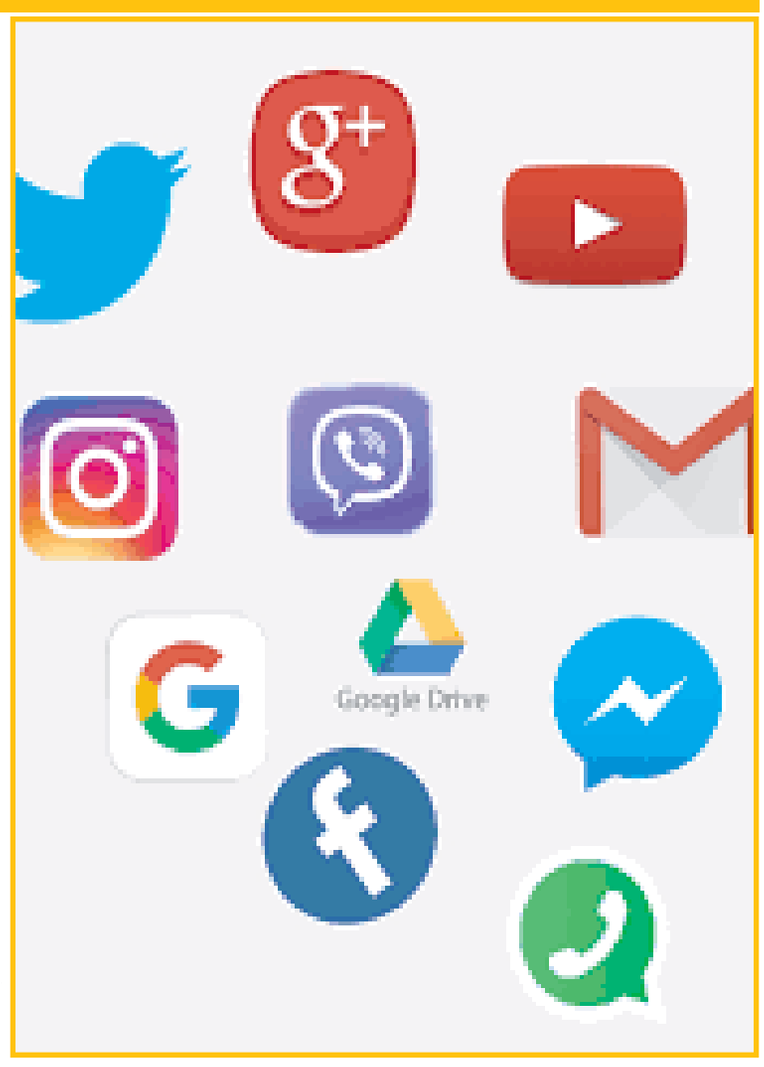

ज्ञान गंगा

जीवन साधना

श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यात्म विज्ञान के साधकों को अपने दृष्टिकोण में मौलिक परिवर्तन करना पड़ता है। सोचना होता है कि मानव जीवन की बहुमूल्य धरोहर इस प्रकार उपभोग करनी है, जिससे शरीर निर्वाह-लोक व्यवहार भी चलता रहे, साथ ही आत्मिक अपूर्णता को पूरा करने का चरम लक्ष्य भी प्राप्त हो सके। ईश्वर के दरबार में पहुंचकर सीना तानकर कहा जा सके कि जो अमानत जिस प्रयोजन के लिए सौंपी गई थी, उसे उसी हेतु सही रूप में प्रयुक्त किया गया है। इस मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट तीन हैं- लोभ, मोह और अहंकार। इन्हीं के कारण मनुष्य पतन और पराभव के गर्त में गिरता है, पशु, प्रेत और पिशाच की जिंदगी जीता है। लोक विजय के लिए सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत अपनाना पड़ता है। औसत नागरिक स्तर के निर्वाह में संतोष करना पड़ता है। ईमानदारी और परिश्रम की कमाई पर निर्भर रहना पड़ता है। जो विलास में अधिक खर्च करता है, प्रकारांतर से दूसरों को उतना ही अभावग्रस्त रहने के लिए मजबूर करता है। इसीलिए शास्त्रकारों ने परिग्रह को पाप बताया है। अधिक कमाया जा सकता है, पर उसमें से निजी निर्वाह में सीमित व्यय करके शेष बचत को गिरे हुए को उठाने, उठे हुए को उछालने और सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन में लगाना जाना चाहिए। राजा जनक जैसे उदारहणों की कमी नहीं है। मितव्ययी अनेक दुर्व्यसनों और अनाचारों से बचता है। ऐसी हविस उसे सताती नहीं, जिसके लिए अनाचार पर उतारु होना पड़े। साधु ब्राह्मणों की यही परंपरा रही है। सज्जनों की शालीनता भी उसी आधार पर फलती-फूलती है। जीवन साधना के उस प्रथम अवरोध लोभ को नियंत्रित कराने वाला दृष्टिकोण हर साधक को अपनाना चाहिए। मोह वस्तुओं से भी होता है और व्यक्तियों से भी। छोटे दायरे में आत्मीयता सीमाबद्ध करना ही मोह है। उसके रहते हृदय की विशालता चरितार्थ ही नहीं होती। अपना शरीर और परिवार ही सब कुछ दिखाई पड़ता है। उन्हीं के लिए मरने-खपने के कुचक्र में फंसे रहना पड़ता है। अहंकार मोटे अथरे में घमंड माना जाता है। अशिष्ट व्यवहार, क्रोधग्रस्त रहना अंहकार की निशानी है। लोभ, मोह और अहंकार जिनके पास हैं, उनके लिए जीवन साधना की लंबी व ऊंची मंजिल पर चलना असंभव हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कोरोना वैक्सीन पर भ्रम नहीं जागरुकता फैलाएं

- योगेश कुमार सोनी

कोरोना की वैक्सीन का इंतजार भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया कर रही थी। हमारे देश का सौभाग्य है कि इसे अपने यहां तैयार किया गया है। 16 जनवरी से पूरे भारत में चरणबद्ध तरीके से वैक्सीन लगने की प्रक्रिया भी शुरु हो चुकी है। प्रमाणिकता के लिए देश के सबसे बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोगों व केंद्र सरकार की योजना के अनुसार पहले वैक्सीन स्वास्थ्यकर्मियों को दी जा रही है। सभी राज्यों में डॉक्टरों, नर्सों और फ्रंटलाइन के अन्य स्वास्थकर्मियों को टीका लगाया जा रहा है। पूरी दुनिया को एकसाथ संकट में डालने वाले जानलेवा कोरोना वायरस से हर कोई परेशान है। अमेरिका के बाद भारत दुनिया का दूसरा देश है जहां कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा केस आए हैं। इसके अलावा बाकी देश भी इस संकट से निकलने के लिए प्रयासरत हैं लेकिन हमारे यहां वैक्सीन आने पर कुछ लोग परेशान हो रहे हैं। ऐसे लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए आमजन का भी नुकसान कर रहे हैं। सही काम न करने पर राजनीति करना या केन्द्र में बैठी सरकार का विरोध करना जरूरी है लेकिन जब बात मानव जीवन पर आ जाए तो राजनीति न करके ऐसे में अपनी बेहतर सलाह देते हुए सहयोग करना चाहिए। पूरी दुनिया में मानव जाति पर तांडव मचा रहे कोरोना वायरस ने क्या हाल कर दिया यह सबके समक्ष है। इसके बावजूद राजनीति हो रही है। ऐसी घटनाओं को देखकर क्रोध भी आता है और तरस भी। गुस्से का कारण तो यह है कि जहां इस वायरस से हर रोज इतनी मौतें हो रही हैं उसके लिए अपनी ओर से किसी भी तरह का सहयोग न करना और लोगों को जागरूक करने की बजाय उनको भड़काया जा रहा है। तरस इसलिए आता है कि वो राजनीति की उस हद तक चले जाते हैं जहां उनको यह भी पता चल रहा है कि क्या बयान देने हैं। चूंकि जो लोग भी कोरोना वैक्सीन पर राजनीति कर रहे हैं उनको यह पता नहीं चल रहा है कि उनकी ऐसी बातों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा और इस वजह से उनके सम्मान पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। देश में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या डेढ़ लाख से अधिक हो चुकी है। संक्रमण से ठीक होने की मरीजों की दर बढ़कर 96.42 प्रतिशत तक आ चुकी है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि केन्द्र व राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर पर बेहतर काम कर रही हैं। लेकिन जो लोग इस समय देश की मशीनरी का हिस्सा नहीं हैं वो लोग देश में नकारात्मकता फैलाने का काम कर रहे हैं। दुनिया के लगभग हर देश में वैक्सीन के पैसे ले लिये जा रहे हैं या लेने की बात चल रही है। यदि हमारे देश में भी ऐसा होता तो इससे भी ज्यादा राजनीति होती इसलिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इसे देशवासियों को मुफ्त देने के लिए कहा है। कोरोना वैक्सीन की लॉन्चिंग से पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वैक्सीन लगवाने से इनकार कर दिया था। लेकिन अपने बयान को लेकर वे चौतरफा घिरते नजर आए और जब टीकाकरण की शुरुआत हुई तो अखिलेश यादव के स्वर बदल गए। अब वे भी इसका स्वागत कर रहे हैं। इसके अलावा भी कांग्रेस व अन्य कुछ दलों की ओर से विरोध के स्वर उठ रहे हैं जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। बहरहाल, स्पष्ट है कि जनसंख्या के आधार पर हिन्दुस्तान जैसे देश को संभालने का मतलब है कि लगभग पच्चीस देशों को संचालित करना। यहां रंग, जाति, धर्म व वर्ग के आधार पर जिस तरह राजनीति होती है वो सरकारों को हर पल चुनौती देती रहती हैं। इसलिए आप कम से कम सरकार पर इतना भरोसा जरूर रखें कि इतने बड़े मामले पर आपके साथ कुछ गलत नहीं करेगी। कुछ लोग अशिक्षितों को भड़काने का काम कर रहे हैं। ऐसी-ऐसी बातें कह रहे हैं जिसका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं। मुसलमानों के कुछ आकाओं ने भी फरमान जारी कर दिए कि कोरोना वैक्सीन के बहाने मोदी सरकार मुसलमानों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे लोगों की वजह देश में भ्रम फैल रहा है जिसका प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर आमजन को नुकसान हो रहा है। इसके अलावा एक वर्ग ऐसा जो सोशल मीडिया पर किसी भी घटना की जांच किए बिना उसको शेयर कर देता है जिससे एक ऐसी चेन बन जाती है कि लोग भ्रमित हो जाते हैं, इसलिए ऐसे लोगों से बचें। जानकारी ही आपका बचाव है। यहां बात केन्द्र में बैठी मोदी सरकार या राज्य में बैठी किसी भी दल की सरकार की नहीं, जो भी देश या राज्य को संचालित करता है उसे सिस्टम को चलाने में हर स्थिति में बेहतर कार्य करना फर्ज होता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

खाद्य डिलिवरी पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग

कोलकाता: रेस्तरां व खाद्य डिलिवरी क्षेत्र ने होम डिलिवरी पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरें मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की मांग की है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कहा कि तीन अरब डॉलर के इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी दर को तार्किक बनाना आवश्यक है। अधिकारियों ने कहा कि रेस्तरां में आकर खाने पर जिस सामग्री पर ग्राहक पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी देते हैं, उसी सामग्री को घर या ऑफिस पहुंचाने पर उन्हें 13 प्रतिशत अधिक जीएसटी भरना पड़ता है। फूजा फूड्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक दिब्येंदू बनर्जी ने कहा, ''भारत में ऑनलाइन फूड डिलिवरी क्षेत्र काफी तेज गति से आगे बढ़ रहा है। यह अभी 2.94 अरब डॉलर का है और 22 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है। हालांकि, कर संबंधी जटिलताओं के चलते वृद्धि की राह में अवरोध उत्पन्न हो रहे हैं। प्लाटर हॉस्पिटलिटी के निदेशक शिलादित्य चौधरी ने कहा, ''कोविड-19 के चलते लगे लॉकडाउन के बाद हमारे व्यवसाय में डिलिवरी की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 60 प्रतिशत हो गई है। चूंकि, हम दाम नहीं बढ़ा सकते, इसलिए अधिक कमीशन भरना पड़ रहा है। इसका असर हमारे मुनाफे पर पड़ रहा है। यह स्थिति तब है जब हमारी बिक्री कोविड पूर्व के स्तर के करीब पहुंच चुकी है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि कुछ महीने में जब आम आदमी तक दवा पहुंच जाएगी तो घर से बाहर निकलकर खाने वाले लोग भी रेस्त्रां में पहुंचेंगे।

लक्जरी कार कंपनियों की सरकार से बजट में करों में कटौती की मांग

नई दिल्ली: लक्जरी कार कंपनियों मर्सिडीज-बेंज, ऑडी और लैम्बोर्गिनी को उम्मीद है कि सरकार आगामी आम बजट में वाहनों पर करों में कटौती करेगी। इन कंपनियों का कहना है कि ऊंचे कराधान की वजह से प्रीमियम कारों का बाजार आगे नहीं बढ़ पा रहा है। कोरोना वायरस महामारी से भी वाहनों का यह खंड बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि लक्जरी कारों पर यदि करों में बढ़ोतरी होती है, तो इससे मांग प्रभावित होगी और यह क्षेत्र पिछले साल शुरू हुई अड़चनों से उबर नहीं पाएगा। मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्टिन श्वेंक ने कहा, ''कोई भी ऐसी चीज जिससे क्षेत्र की मांग प्रभावित होती हो, उससे हमें बचना चाहिए, क्योंकि अंत में इससे समस्या पैदा होगी। उनसे पूछा गया था कि कंपनी आगामी बजट में करों के मोर्चे पर सरकार से क्या उम्मीद कर रही है। वाहनों पर कर कटौती की मांग करते हुए श्वेंक ने कहा, ''इस क्षेत्र पर कर की दर पहले ही काफी ऊंची है। आयात शुल्क से लेकर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) तक, लक्जरी कारों पर उपकर 22 प्रतिशत तक है। मेरा मानना है कि हमारा लक्ष्य क्षेत्र की वृद्धि को समर्थन देना और कर घटाने का होना चाहिए। हमें इसका रास्ता ढूंढना चाहिए। इसी तरह की राय जताते हुए ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि लक्जरी कार बाजार अभी कोविड-19 की वजह से पैदा हुई अड़चनों से उबर रहा है। आगे क्षेत्र के लिए काफी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, ''एक चुनौती निश्चित रूप से लक्जरी कारों पर ऊंचे कराधान की है। यह एक चुनौती है कि क्योंकि इसकी वजह से देश का लक्जरी कार बाजार कुल वाहन बाजार के एक प्रतिशत पर बना हुआ है। पिछले साल यानी 2020 में यह संभवतः घटकर से 0.7 से 0.8 प्रतिशत रह गया है। ऊंचा कर सबसे बड़ी चुनौती है। लैम्बोर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने कहा कि सुपर लक्जरी खंड को सरकार से निरंतरता कायम रखने की उम्मीद है। इस खंड को 2020 में काफी नुकसान हुआ है। अग्रवाल ने कहा, ''हम चाहते हैं कि 2021 में यह क्षेत्र कम से कम 2019 के स्तर पर पहुंच जाए। हम अभी वृद्धि की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि यह क्षेत्र 2019 का स्तर हासिल कर ले। यदि लक्जरी कारों पर कर बढ़ता है, तो इस क्षेत्र पर काफी अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में आ सकती है 25 प्रतिशत की गिरावट : अर्थशास्त्री

नयी दिल्ली,

देश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अरुण कुमार का मानना है कि सरकार के दावे के विपरीत अर्थव्यवस्था में अधिक तेजी से सुधार नहीं आ रहा है। कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बड़ी गिरावट से बजट अनुमान पूरी तरह दायरे से बाहर निकल गया है और बजट को दुरुस्त करने की जरूरत है। कुमार ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, ''देश की आर्थिक वृद्धि में उतनी तेजी से सुधार नहीं आ रहा है, जैसा सरकार दिखा रही है। असंगठित क्षेत्र की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है और सेवा क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण हिस्से भी उबर नहीं पाए हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे विश्लेषण के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत की गिरावट आएगी। अप्रैल-मई में लॉकडाउन के दौरान सिर्फ आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन हुआ। यहां तक कि कृषि क्षेत्र में भी वृद्धि नहीं हुई।'' भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.5 प्रतिशत की गिरावट आएगी। वहीं राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अर्थव्यवस्था में 7.7 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर कुमार ने कहा कि सरकार ने अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर की तिमाहियों के लिए जो जीडीपी दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं, उनमें भी कहा गया है कि इन आंकड़ों में बाद में संशोधन होगा। उन्होंने कहा कि भारत का राजकोषीय घाटा पिछले साल से अधिक रहेगा। राज्यों का राजकोषीय घाटा भी ऊंचे स्तर पर रहेगा। उन्होंने कहा कि विनिवेश राजस्व भी कम रहेगा। कर और गैर-कर राजस्व में भी कमी आएगी। कुमार ने कहा कि भारत का आर्थिक पुनरोद्धार कई कारकों पर निर्भर करेगा। 'कितनी तेजी से टीकाकरण होता है और कितनी तेजी से लोग अपने काम पर लौट पाते हैं।''

नीलामी के 7-8 माह बाद भी उत्पादन शुरू नहीं करने वाली लौह अयस्क खानों का पट्टा समाप्त करने पर विचार

नयी दिल्ली,

खान मंत्रालय ने ऐसी लौह अयस्क खानों का पट्टा (लीज) रद्द करने का प्रस्ताव किया है जिनमें नीलामी के सात-आठ महीने बाद भी उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है। इसके अलावा ऐसी खानों की लीज समाप्त करने का भी प्रस्ताव है जो लगातार तीन तिमाहियों तक न्यूनतम आपूर्ति को कायम नहीं रख पाई हैं। खान मंत्रालय का खनन नियमों में कुछ संशोधनों के जरिये ऐसा करने का प्रस्ताव है। मंत्रालय ने इस पर अंशधारकों से टिप्पणियां मांगी हैं। खान मंत्रालय ने खनिज (परमाणु और हाइड्रो कॉर्बन ऊर्जा खनिजों को छोड़कर), रियायती (संशोधन) नियम, 2021 तैयार किया है। मंत्रालय का इरादा खनिज (परमाणु और हाइड्रो कॉर्बन ऊर्जा खनिजों को छोड़कर), रियायती नियम, 2016 में संशोधन का है। मंत्रालय ने संशाधित नियमों के मसौदे पर आम जनता, राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की सरकारों, खनन उद्योग, अंशधारकों, उद्योग संघों और अन्य संबंधित लोगों और इकाइयों से टिप्पणियां मांगी हैं।

फैंकलिन टेंपलटन एमएफ की छह बंद योजनाओं से 13,789 करोड़ रुपये प्राप्त हुये

नयी दिल्ली, फैंकलिन टेंपलटन म्यूचुअल फंड ने रविवार को कहा कि उसकी छह योजनाओं के अप्रैल में बंद होने के बाद से अब तक परिपक्वता, पूर्व-भुगतान तथा कूपन भुगतान के रूप में 13,789 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इन योजनाओं को अप्रैल में बंद किया गया था। फैंकलिन टेंपलटन म्यूचल फंड ने 23 अप्रैल, 2020 को निकासी दबाव के बीच छह ऋण म्यूचुअल फंड योजनाओं को बंद कर दिया था। ये योजनाएं हैं.... फैंकलिन इंडिया लो डुरेशन फंड, फैंकलिन इंडिया डायनामिक एक्यूरल फंड, फैंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड, फैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान, फैंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बांड फंड और फैंकलिन इंडिया इनकम अपॉरच्यूनिटीज फंड को बंद कर दिया गया था। इन योजनाओं के प्रबंधन के तहत कुल 25,000 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियां थीं। कंपनी ने कहा कि इन छह योजनाओं को 24 अप्रैल, 2020 से 15 जनवरी, 2021 तक परिपक्वताओं, पूर्व भुगतान और कूपन भुगतान के रूप में कुल 13,789 करोड़ रुपये का नकद प्रवाह हुआ है। पिछले पखवाड़े के दौरान यानी एक से 15 जनवरी तक इन योजनाओं के तहत 669 करोड़ रुपये मिले हैं जिसमें से 617 करोड़ रुपये पूर्व-भुगतान के तौर पर प्राप्त हुये। अलग-अलग देखा जाए, तो फैंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बांड फंड, फैंकलिन इंडिया लो डुरेशन फंड, फैंकलिन इंडिया डायनामिक एक्यूरल फंड, फैंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड और फैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान का क्रमशः 63 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 41 प्रतिशत, 26 प्रतिशत और नौ प्रतिशत प्रबंधनाधीन संपत्ति (एयूएम) नकद में है। वहीं, फैंकलिन इंडिया इनकम अपॉरच्यूनिटीज फंड में उधारी का स्तर फिलहाल एयूएम के छह प्रतिशत पर है।

पीएम मोदी स्टार्टअप के लिए 1,000 करोड़ रुपए के फंड का किया ऐलान, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

बिजनेस डेस्क:

देश में आधुनिक तकनीक वाले नए उद्यमों और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 1,000 करोड़ रुपए के 'स्टार्ट-अप इंडिया सीड फंड' की शुरुआत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही लोगों के जीवन में सुधार भी आएगी। देशभर में काम करने वाले स्टार्टअप आज देश में ई-टॉयलेट से लेकर पीपीई किट और दिव्यांगों के लिए सेवाएं देने तक के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

प्रेस कॉन्फेंसिंग के जरिए किया संबोधित

मोदी ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये 'प्रारम्भः स्टार्ट-अप भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' को संबोधित करते कहा कि देश में स्टार्टअप के लिए पूंजी की कमी नहीं हो इसके लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इससे नए स्टार्टअप शुरू करने और उनकी वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने एक टेलिविजन शो स्टार्ट-अप चैंपियंस कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया, जो दूरदर्शन (डीडी) पर प्रसारित किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार स्टार्ट-अप के लिए इक्विटी पूंजी जुटाने में मदद के वास्ते कोषों के कोष की योजना को पहले ही अमल में ला चुकी है। इसके साथ ही आने वाले दिनों में सरकार स्टार्ट-अप को गारंटी के जरिए कोष जुटाने में भी मदद करने वाली है।

स्टार्टअप के मामले में तीसरा देश बना भारत

मोदी ने कहा कि आज स्टार्ट-अप के मामले में भारत दुनिया का तीसरा बड़ा देश बन गया है। भारत ने इस दौरान कई उभरते उद्यमियों को आगे बढ़ने में मदद की गई। नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के साथ ये उद्यमी आगे बढ़े और इनमें कई बड़ी कंपनी बन चुके हैं।

टेलिविजन शो का किया उद्घाटन

इस अवसर पर उन्होंने एक टेलिविजन शो स्टार्ट-अप चैंपियंस कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया, जो दूरदर्शन (डीडी) पर प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने भारत में चेन्नई, भोपाल, गाजियाबाद, सोनीपत के साथ कई स्थानों के स्टार्ट-अप के कामों के बारे में सुना। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश, भूटान, म्यामांर, नेपाल सहित बिम्स्टेक देशों के स्टार्ट-अप की उपलब्धियों को भी सुना।

अभियान के तहत लगे 41 हजार स्टार्टअप

मोदी ने कहा कि देश में आज 41,000 से अधिक स्टार्टअप अभियान में लगे हैं जिसमें 5,700 से अधिक आईटी क्षेत्र में हैं। 1,700 से अधिक कृषि क्षेत्र में काम कर रहे हैं। पिछले पांच साल में यह स्थिति बनी है। जहां 2014 से पहले देश के केवल चार स्टार्टअप ही यूनिकॉर्न क्लब में थे वहीं आज 30 से जयादा स्टार्टअप इस क्लब में शामिल हैं।

कोविड-19 के कारण 17 साल पीछे चला गया विमानन सेक्टर, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ी गिरावट

नेशनल डेस्क।

कोविड-19 महामारी के कारण उड़ानों पर लगे प्रतिबंधों की वजह से पिछले साल हवाई यात्रियों की संख्या में 60 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट देखी गई और यह घटकर वर्ष 2003 के स्तर पर आ गई। संयुक्त राष्ट्र की इकाई अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईकाओ) ने पिछले सप्ताह 'कोविड-19 के आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण' जारी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 में हवाई यात्रियों की संख्या में 60 प्रतिशत की नाटकीय गिरावट रही जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कभी नहीं देखा गया। पिछले साल 1.8 अरब लोगों ने हवाई यात्रा की जबकि वर्ष 2019 में यह आँकड़ा 4.5 अरब रहा था। इस प्रकार हवाई यात्रियों की संख्या वर्ष 2003 के बाद के निचले स्तर पर आ गई है।

विमान सेवा कंपनियों को 370 अरब डॉलर का नुकसान

आईकाओ ने कहा है कि इससे विमान सेवा कंपनियों को 370 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। साथ ही हवाई अड्डा संचालकों को 115 अरब डॉलर और एयर नेविगेशन सेवा देनी वाली एजेंसियों को 13 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि घरेलू विमानन सेवाओं की तुलना में अंतरराष्ट्रीय सेवाएं महामारी से अधिक प्रभावित हुई हैं। घरेलू मार्गों पर यात्रियों की संख्या में 50 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 74 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। भारत के आँकड़े देखें तो वैश्विक औसत की तुलना में यहाँ हवाई यात्रियों की संख्या में ज्यादा बड़ी गिरावट आई है।

इतने यात्रियों ने किया हवाई सफर

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आँकड़ों के अनुसार, पिछले साल घरेलू मार्गों पर छह करोड़ 30 लाख 11 हजार यात्रियों ने हवाई सफर किया जो वर्ष 2019 के मुकाबले 56.29 प्रतिशत कम है। आईकाओ के अनुसार, पिछले साल जनवरी से ही विमानन क्षेत्र पर महामारी का असर दिखने लगा था जब उड़ानों पर प्रतिबंध लगाने का क्रम शुरू हो गया था, हालाँकि उस समय ऐसा करने वाले देशों की संख्या काफी कम थी। वायरस का संक्रमण फैलने के साथ ही प्रतिबंध भी बढ़ते गये और मार्च के अंत तक उड़ानें लगभग पूरी तरह बंद हो गईं।

अप्रैल तक हवाई यात्रियों की संख्या में 92 प्रतिशत की गिरावट

रिपोर्ट में कहा गया है 'दुनिया भर में बड़े पैमाने पर लॉकडाउन, सीमाबंदी और यात्रा प्रतिबंधों के कारण अप्रैल तक हवाई यात्रियों की संख्या में 92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। घरेलू यात्रियों की संख्या 87 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 98 प्रतिशत घट गई थी। इसके बाद धीरे-धीरे सुधार आना शुरू हुआ।% रिपोर्ट के अनुसार, चीन और रूस में घरेलू यात्रियों की संख्या दुबारा लगभग कोविड-पूर्व स्तर पर पहुँच चुकी है। विमान सेवा कंपनियों को सबसे अधिक नुकसान एशिया-प्रशांत क्षेत्र में हुआ है जिसमें भारत भी शामिल है।

पिछले साल 120 अरब डॉलर का नुकसान

आईकाओ का अनुमान है कि इस क्षेत्र में एयरलाइंस ने पिछले साल 120 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

यूरोप में उन्हें 100 अरब डॉलर और उत्तरी अमेरिका में 88 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। इसके बाद लातिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों में 26 अरब डॉलर, पश्चिम एशिया में 22 अरब डॉलर और अफ्रीका में 14 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान है।

लक्ष्मी विलास बैंक के DBS में विलय को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती

नई दिल्ली:

दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका में लक्ष्मी विलास बैंक (एलवीबी) का डेवलपमेंट बैंक ऑफ सिंगापुर (डीबीएस) में विलय को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि बैंक के शेयरधारकों को 'अधर' में छोड़ दिया गया है और केंद्र तथा भारतीय रिजर्व बैंक उनके हितों का संरक्षण करने में विफल रहे हैं। यह याचिका 13 जनवरी को मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल तथा न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थीं, लेकिन इसे 19 फरवरी तक आगे बढ़ा दिया गया है। पीठ को सूचित किया गया कि रिजर्व बैंक ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर इस विलय योजना के खिलाफ सभी याचिकाओं को बंबई उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय में यह याचिका अधिवक्ता सुधीर कठपालिया ने दायर की है, जो लक्ष्मी विलास बैंक के शेयरधारक भी हैं। इस विलय योजना की वजह से उन्हें कंपनी में अपने 20,000 शेयर गंवाने पड़े हैं।कठपालिया ने योजना के उस प्रावधान को रद्द करने की अपील की है जिसमें कहा गया है कि विलय की तारीख से चुकता शेयर पूंजी की पूरी राशि और आरक्षित तथा अधिशेष 'राइट ऑफ' कर दिया जाएगा। याचिका में कहा गया है कि योजना के तहत डीबीएस को लक्ष्मी विलास बैंक के निवेशकों को बदले में कोई शेयर देने की जरूरत नहीं है। ऐसे में शेयरधारकों को 'अधर' में छोड़ दिया गया है।

रिजर्व बैंक ने इस विलय योजना को 25 नवंबर, 2020 को मंजूरी दी थी और 27 नवंबर, 2020 को यह विलय हुआ था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि केन्द्र सरकार और रिजर्व बैंक लक्ष्मी विलास बैंक के शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा करने में असफल रहे हैं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि अन्य बैंकों और वित्त संस्थानों से विलय के लिए बोलियां मंगाए बिना ही डीबीएस को विलय के लिए चुन लिया गया।

इस सप्ताह आएंगे दो IPO, 5,800 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद

नई दिल्ली:

भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) और सिकोया कैपिटल के समर्थन वाली इंडिगो पेंट्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) इस सप्ताह आएंगे। इन दोनों आईपीओ से 5,800 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटने की उम्मीद है। शेयर बाजारों में इस समय तरलता की स्थिति काफी अच्छी है और नए खुदरा निवेशकों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में दोनों कंपनियों को इसका फायदा मिलने की उम्मीद है। आईआरएफसी का आईपीओ 18 जनवरी को खुलकर 20 जनवरी को बंद होगा। वहीं इंडिगो पेंट्स का आईपीओ 20 जनवरी को खुलकर 22 जनवरी को बंद होगा। आईआरएफसी का आईपीओ 178.20 करोड़ शेयरों का है। इसमें 118.80 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे जबकि सरकार 59.40 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएगी। आईआरएफसी के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 25-26 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर आईपीओ से 4,633.4 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है। कंपनी ने शुक्रवार को एंकर निवेशकों से 1,390 करोड़ रुपए जुटाए हैं। आईआरएफसी की स्थापना 1986 में हुई थी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल, 2017 को रेलवे की पांच कंपनियों की सूचीबद्धता की मंजूरी दी थी। इनमें से चार कंपनियों इरकॉन इंटरनेशनल लि, राइट्स लि, रेल विकास निगम लि और रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्प सूचीबद्ध हो चुकी हैं। वहीं इंडिगो पेंट्स के आईपीओ के तहत 300 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे। निजी इक्विटी कंपनी सिकोया कैपिटल अपने दो कोषों एससीआई इन्वेस्टमेंट्स चार और एससीआई इन्वेस्टमेंट्स पांच के जरिए तथा प्रवर्तक हेमंत जालान 58,40,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,488-1,490 रुपए प्रति शेयर रखा गया है।

पेट्रोल-डीजल पर रिकॉर्ड कर वृद्धि से चालू वित्त वर्ष में उत्पाद शुल्क संग्रह 48% बढ़ा

नई दिल्ली:

महामारी के कारण भले ही लगभग हर प्रकार के कर संग्रह में कमी आई हो लेकिन उत्पाद शुल्क संग्रह में चालू वित्त वर्ष के दौरान 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसका कारण डीजल और पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क दर में रिकॉर्ड वृद्धि है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2020 के दौरान उत्पाद शुल्क का संग्रह 2019 की इसी अवधि के 1,32,899 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,96,342 करोड़ रुपए हो गया।

उत्पाद शुल्क संग्रह में यह वृद्धि चालू वित्त वर्ष के आठ महीने की अवधि के दौरान डीजल की बिक्री में एक करोड़ टन से अधिक की कमी के बावजूद हुई। डीजल भारत में सबसे ज्यादा खपत होने वाला ईंधन है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से नवंबर 2020 के दौरान डीजल की बिक्री साल भर पहले के 5.54 करोड़ टन से कम होकर 4.49 करोड़ टन रह गई। इस दौरान पेट्रोल की खपत भी साल भर पहले के 2.04 करोड़ टन से कम होकर 1.74 करोड़ टन रही। पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था से बाहर रखा गया है। देश में जुलाई 2017 से जीएसटी व्यवस्था अमल में आई है। पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस पर केंद्र सरकार उत्पाद शुल्क वसूलती है, जबकि राज्य सरकारें मूल्य वर्धित कर (वैट) लगाती हैं। उद्योग जगत के सूत्रों का कहना है कि आर्थिक क्षेत्र में सुस्ती के बावजूद उत्पाद शुल्क संग्रह में हुई वृद्धि का मुख्य कारण पेट्रोल और डीजल पर कर की दर में रिकॉर्ड वृद्धि का होना है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान पेट्रोल पर दो बार में उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 16 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया है।

इससे पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क बढ़कर 32.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 31.83 रुपए प्रति लीटर हो गया।

दिल्ली में पेट्रोल की खुदरा कीमत 84.70 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 74.88 रुपए प्रति लीटर है। महालेखा नियंत्रक के आंकड़ों के अनुसार 2019- 20 पूरे वित्त वर्ष में कुल उत्पाद शुल्क प्राप्ति 2,39,599 करोड़ रुपए रही है।

रियल एस्टेट क्षेत्र की पट्टे पर दी गई वाणिज्यिक संपत्तियों पर इनपुट टैक्स क्रेडिट सुविधा की मांग

नई दिल्ली:

रियल एस्टेट क्षेत्र ने पट्टे पर दी जाने वाली व्यावसायिक संपत्ति के विकास के समय इस्तेमाल में लाए गए सीमेंट, इस्पात जैसे कच्चे माल पर इनपुट टैक्स की सुविधा देने की मांग की है। रियल एस्टेट उद्योग का कहना है कि व्यावसायिक संपत्ति के किराए से होने वाली आय के कर में इनपुट टैक्स क्रेडिट की सुविधा मिलनी चाहिए। रियल एस्टेट उद्योग की तरफ से बजट से पूर्व दिये गये सुझावों में रविवार को कहा गया कि इस कदम से भारत को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), स्टार्टअप, रियल्टी कंपनियां और परामर्शदाता जैसे क्षेत्रों में बढ़त को बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए दिए गए सुझाव में केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) अधिनियम की धारा 16 और धारा 17(5) में संशोधन करने की मांग की, ताकि रियल एस्टेट कंपनियां निर्माण के दौरान वस्तुओं व सेवाओं की खरीद पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठा सकें। संगठन ने कहा कि आईटीसी नहीं मिलने से रियल एस्टेट डेवलपरों की पूंजी अटकती है। सीआईआई ने कहा, ''संपत्तियों को व्यावसायिक किराए पर देने या मॉल में आउटलेट पट्टे पर देने में किराए पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। निर्माण के दौरान आईटीसी नहीं मिलने से निर्माण की लागत बढ़ती है और कार्यशील पूंजी का नुकसान होता है। इसका असर पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर होता है।

टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजय दत्त ने कहा कि जीएसटी के मौजूदा प्रावधानों के तहत निर्माण के चरण के दौरान इनपुट टैक्स क्रेडिट नहीं मिलता है। हालांकि, निर्माण की लागत को कम करने के लिए इसका लाभ दिया जाना चाहिए।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सहवाग ने टीम इंडिया के साहस को दबंग करार दिया

ब्रिस्बेन। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने यहां गाबा मैदान पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी चौथे और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे दिन अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा की है।ब्रिस्बेन टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को वाशिंगटन सुंदर और शार्दूल ठाकुर ने अपना-अपना पहला अर्धशतक पूरा किया और सातवें विकेट के लिए 123 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की।ठाकुर ने 67 जबकि संदुर ने 62 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी इस साझेदारी के दम पर भारत मैच में बना हुआ है। भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को अपनी पहली पारी में 336 रन का स्कोर बनाया। भारत ने आस्ट्रेलिया को उसकी पहली पारी में 369 रनों पर समेट दिया था और इस लिहाज से भारत 33 रन पीछे रह गया। सहवाग ने इंस्टाग्राम पर लिखा, भारतीय टीम के साहस को अगर एक शब्द में बयां करें तो एक ही शब्द आता है, दबंग, बेहद साहसी और बहादुर। अति सुंदर ठाकुर। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने भी दोनों युवा बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए कहा, टेस्ट में पहली बार अर्धशतक जमाने के लिए सुंदर और ठाकुर को बधाई। आपकी तकनीक शानदार। साथ ही युवा गेंदबाजों के लिए एक उदाहरण है कि आपको गेंद के साथ साथ बल्ले से भी योगदान देना चाहिए।

ब्रिस्बेन टेस्ट

भारत 336 पर आलआउट, आस्ट्रेलिया को 33 रन की बढ़त

ब्रिस्बेन।

शार्दूल ठाकुर (67) और वॉशिंगटन सुंदर (62) के बीच सातवें विकेट के लिए हुई 123 रनों की शतकीय और बहुमूल्य साझेदारी के दम पर भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के गाबा इंटरनेशनल स्टेडियम में आस्ट्रेलिया के साथ जारी चौथे और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को अपनी पहली पारी में 336 रन का स्कोर बनाया। भारत ने आस्ट्रेलिया को उसकी पहली पारी में 369 रनों पर समेट दिया था और इस लिहाज से भारत पहली पारी में 33 रनों से पीछे रहा।भारत ने टी के बाद छह विकेट पर 253 रनों से आगे खेलना शुरू किया। सुंदर ने 38 और ठाकुर ने अपनी पारी को 35 रन से आगे बढ़ाया। टी के बाद दोनों बल्लेबाजों ने सूझबूझ से खेलते हुए अपनी पारी को आगे बढ़ाया और दोनों ने पहली बार अपने अपने अर्धशतक पूरे किए। अर्धशतक पूरा करने के बाद दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की और और भारत को 300 रनों के पार पहुंचाया।ठाकुर टीम के 309 के स्कोर पर सातवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। उन्हें पैट कमिंस ने बोल्ड मारा। ठाकुर ने 115 गेंदों पर नौ चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद भारत का आठवां विकेट नवदीप सैनी (5) के रूप में 320 के स्कोर पर, नौवां विकेट सुंदर के रूप में 328 के स्कोर पर जबकि अंतिम 10वां विकेट 336 के स्कोर पर मोहम्मद सिराज (13) के रूप में गिरा। टी नजटराजन नौ गेंदों पर एक रन बनाकर नाबाद रहे। सुंदर ने 144 गेंदों पर सात चौके और एक छक्का लगाया। आस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने पांच और कमिंस तथा मिशेल स्टार्क ने दो-दो जबकि नॉथन लॉयन ने एक विकेट लिया। इसस पहले, भारत ने लंच तक चार विकेट के नुकसान पर 161 रन बनाए थे। भारत ने पहले सत्र में कल के नाबाद बल्लेबाजों-कप्तान अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के विकेट गंवाए हैं। रहाणे 37 और पुजारा 25 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी की। पुजारा का विकेट 105 के कुल योग पर गिरा। 94 गेंदों पर दो चौके लगाने वाले पुजारा को जोस हाजलेवुड ने आउट किया।इसी तरह कप्तान का विकेट 144 के कुल योग पर गिरा। कप्तान ने 93 गेंदों का सामना कर तीन चौके लगाए।लंच के बाद भारत ने मयंक अग्रवाल और ऋषभ पंत के विकेट गंवाए। अग्रवाल ने लंच के तुरंत बाद 161 के कुल योग पर आउट हुए। अग्रवाल ने 75 गेंदों का सामना कर तीन चौके और एक छक्का लगाया। अग्रवाल का विकेट 161 रनों के कुल योग पर गिरा जबकि ऋषभ पंत 186 के कुल योग पर आउट हुए। पंत ने 29 गेंदों का सामना कर दो चौकों की मदद से 23 रन बनाए। चार मैचों की सीरीज में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं।

टाटा स्टील शतरंज - विश्व चैम्पियन कार्लसन की धुआंधार जीत से शुरुआत

विज्क आन जी ,नीदरलैंड (निकलेश जैन)

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज चैंपियनशिप के साथ ही ऑन द बोर्ड सुपर ग्रांड मास्टर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के बेहतरीन 14 खिलाड़ियों के साथ पहले दिन पहले राउंड के मुक़ाबले खेले गए । राउंड रॉबिन आधार पर प्रतिदिन 1 राउंड और कुल मिलाकर 13 राउंड खेले जाएँगे । नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन मेजबान देश के अनीश गिरि और स्वीडन के निल्स ग्रंडेलिउयस पहले दिन ही जीत दर्ज कर शानदार शुरुआत करने मे सफल रहे । मेगनस कार्लसन नें जहां फीडे के अलीरेजा फिरौजा पर धुआंधार अंदाज मे मोहरो का बलिदान करते हुए जीत हासिल की तो अनीश गिरि नें नॉर्वे के आर्यन तारी के मोहरो के बलिदान को शानदार अंदाज मे सम्हालते हुए एक नियंत्रण वाली जीत अपने नाम की । दिन की एक और जीत आई नील्स ग्रंडेलीयूस के खाते मे जिन्होने रूस के अलेक्जेंडर डोनचेंकों को पराजित किया । और ये तीनों खिलाड़ी पहले दिन के बाद पहले स्थान पर पहुँच गए है । भारत के पेंटाला हरिकृष्णा विश्व नंबर 5 फ्रांस के मकसीम लागरेव के खिलाफ एक बेहतर लग रही बाजी मे दबाव नहीं बना पाये और आधा अंक हासिल करने मे सफल रहे उन्होने सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए सिसिलियन नजडोर्फ मे 64 चालों मे बाजी ड्रॉ खेली ।

हालांकि खेल की 35 वीं चाल मे अगर वह वजीर की अदला बदली ना करते तो वह शायद मैच का परिणाम पूरा अपने पक्ष मे कर सकते थे । अन्य परिणामो में अमेरिका के फबियानों करूआना को मेजबान देश के युवा खिलाड़ी वान फॉरेस्ट नें बराबरी पर रोक लिया और बाकी के दो मुकाबलो मे रूस के आन्द्रे एसीपेंकों नें पोलैंड के जान डुड़ा से तो स्पेन के अंटोन डेविड नें पोलैंड के रडास्लाव वोटटसजेक से मुक़ाबला ड्रॉ खेला

सौरभ चौधरी ने फाइनल्स में बनाया विश्व रिकार्ड, मनु भी जीती

नई दिल्ली : भारत के स्टार निशानेबाज सौरभ चौधरी ने फाइनल्स में 246.9 अंक के साथ विश्व रिकार्ड के साथ अधिक स्कोर बनाया और राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल्स में पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल का खिताब जीता। हरियाणा की मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ट्रायल्स में पहला स्थान हासिल किया। विश्व में नंबर चार सौरभ और विश्व में नंबर दो मनु अपने क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहे और फिर फाइनल्स जीतने में सफल रहे। सौरभ ने 60 शॉट के क्वालीफिकेशन दौर में 590 का स्कोर बनाया और फिर फाइनल में 246.9 के स्कोर के साथ अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ा। फाइनल्स का विश्व रिकार्ड 246.5 अंक है जो उत्तर कोरिया के किम सोंग गुक के नाम है। दूसरी तरफ मनु ने क्वालीफाईंग में 580 अंक बनाए और शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद उन्होंने फाइनल्स में 239.3 अंक बनाकर जीत दर्ज की। तमिलनाडु की श्री निवेथा दूसरे और उत्तर प्रदेश की नेहा तीसरे स्थान पर रही।

आईएसएल-7 : चेन्नइयन और ईस्ट बंगाल की नजरें जीत पर

फातोर्दा (गोवा)।

चेन्नइयन एफसी के कोच कसाबा लाजलो का मानना है कि उनकी टीम सोमवार को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ईस्ट बंगाल के खिलाफ होने वाले मुकाबले को जीतकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अपने अंकों में इजाफा करना चाहेगी। चेन्नइयन पिछले सात मैचों में केवल एक ही मैच हारी है। लेकिन दो बार की चैम्पियन ने पिछले 11 मैचों में पांच मैच ड्रॉ भी खेले हैं। चेन्नइयन से ज्यादा नॉर्थईस्ट ने ही इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा ड्रॉ खेले हैं। कोच लाजलो को उम्मीद है कि उनकी टीम बेहतर करेगी।लाजलो ने कहा, हमने काफी मैच ड्रॉ खेले हैं, जहां हम जीत सकते थे। लेकिन मुझे लगता है कि सीजन के दूसरे चरण में मजबूत होंगे और मुझे उम्मीद है कि टीम अब न केवल अपनी प्रतिस्पर्धात्मक भावनाएं दिखाईएगी बल्कि वे और अधिक गोल भी कर सकती है और मैच जीत सकती है। ईस्ट बंगाल ने हाल में ब्राइट एनोबाखरे के साथ नया करार किया है और उन्होंने टीम के प्रदर्शन पर बहुत अच्छा प्रभाव डाला है। हालांकि चेन्नइयन के कोच पूरी टीम की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ईस्ट बंगाल ने कुछ अच्छे नए खिलाड़ी शामिल किए हैं। उनके पास अटैकिंग खिलाड़ी है। लेकिन मेरे पास भी डिफेंस में कुछ अच्छे खिलाड़ी है। हम मिडफील्ड में मजबूत हैं। अगर हम कम्पेक्ट रहते हैं तो ईस्ट बंगाल के खिलाफ हमारे पास मैच जीतने के लिए अच्छा क्वालीटी है।दूसरी तरफ, ईस्ट बंगाल की टीम पिछले छह मैचों से अजेय चल रही है और कोच रोबी फॉलर की टीम अब प्लेआफ स्थान से केवल पांच अंक पीछे है। फॉलर का मानना है कि उनकी टीम प्लेआफ स्थान में जगह बना सकती है। उन्होंने कहा, यहां पर बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं, जिसे हम हासिल कर सकते हैं। अभी हमें बहुत सारे अंक लेने हैं और हम इसके लिए अपनी कोशिश जारी रखेंगे और उन अंकों को हासिल करेंगे। इसलिए जब तक यह गणितीय रूप से असंभव नहीं है, तब तक हम विश्वास करेंगे कि हम इसे कर सकते हैं।

फॉलर ने कहा, टीम का मनोबल एकदम शानदार है। हम धीरे धीरे कदम आगे बढ़ा रहे हैं, जहां हमें विश्वास है कि हमें होना चाहिए और बनना चाहिए। हमें वह करते रहना होगा, जोकि हम कर रहे हैं। मैच नहीं हारना है और हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुंदर और शार्दुल ने जिस तरह का जज्बा और धैर्य दिखाया वह शानदार था : पोंटिंग

ब्रिसबेन । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने निचले क्रम में वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर की अनुशासित और शानदार बल्लेबाजी की तारीफ की जिससे भारतीय टीम श्रृंखला के चौथे और निर्णायक टेस्ट मुकाबले में बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के 369 रन के पहली पारी के स्कोर के जवाब में भारतीय टीम का स्कोर एक समय छह विकेट पर 186 रन था तब पदार्पण करने वाले सुंदर (62) और शारदुल (67) ने सातवें विकेट के लिए 123 रन की अहम साझेदारी से भारत को पहली पारी में 336 रन बनाने में सफल रहा। पोंटिंग ने कहा, 'उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान जिस तरह का जज्बा और धैर्य दिखाया वह शानदार था। उन्होंने जोखिम नहीं उठाया। वह साझेदारी शानदार थी, बिलकुल वैसी जिसकी उस समय भारतीय टीम को जरूरत थी। वे कुछ टेस्ट के अनुभव के साथ ऐसा करने में सफल रहे।' पोंटिंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में आक्रमकता की कमी थी और तेज गेंदबाजों को भारतीय निचले क्रम के खिलाफ अधिक शॉटपिच गेंदों का इस्तेमाल करना चाहिये था। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वे ज्यादा आक्रामक थे, उन्होंने ज्यादा शॉट गेंदें नहीं फेंकी। उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को जमने का मौका दिया। उन्होंने बल्लेबाजों को वैसी ही गेंदबाजी की जैसी वह चाहते थे।'

फरवरी में आयोजित होगी ऑनलाइन स्पीड किकिंग चैम्पियनशिप

मुंबई । भारतीय ताइक्वांडो ने घोषणा की कि उसकी पहली स्पीड किकिंग चैम्पियनशिप वर्चुअली 14 से 18 फरवरी तक आयोजित की जायेगी। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार एथलीट को एक मिनट के अंदर ज्यादा से ज्यादा 'किक' लगाने होंगे। मीडिया में जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों को ऑनलाइन जजों द्वारा अंक दिये जायेंगे जो 'किक' की संख्या और पूर्ण प्रदर्शन के हिसाब से होंगे।

अपनी हार से बहुत कुछ सीखा है : सिंधु

नई दिल्ली।

मौजूदा विश्व चैम्पियन भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु पिछले साल टोक्यो ओलंपिक के एक साल तक के लिए स्थगित होने से बहुत निराश थी, लेकिन उस दौरान उन्होंने अपने खाली समय का उपयोग अपनी गलतियों को सुधारने में किया।ओलंपिक पदक विजेता सिंधु कोविड-19 के बाद पहली बार हाल में थाईलैंड ओपन में कोर्ट पर उतरी, जहां उन्हें पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा। सिंधु का कहना है कि हार उन्हें हमेशा अगली बार और मजबूती से वापसी करने की याद दिलाती है। सिंधु ने आईएएएनएस से कहा, मैंने पिछले साल से काफी कुछ सीखा है। पहली चीज मेरे अंदर संयम थी क्योंकि उस समय कई महीनों तक कोई टूर्नामेंटस नहीं थे। हम बाहर निकल कर बैडमिंटन नहीं खेल सकते थे और इसलिए हमें धैर्य रखने की जरूरत थी। उन्होंने कहा, मैंने काफी समय अपने परिवार के साथ बिताया क्योंकि बाकी समय तो टूर्नामेंटों के लिए दौरा करने में ही गुजर जाता था। यह पहली बार था जब मैंने अपने परिवार के साथ इतना समय बिताया है। मैं घर पर ही ट्रेनिंग कर रही थी और मैंने धैर्य रखना सीखा।सिंधु कोरोना के बाद से पहली बार पिछले सप्ताह कोर्ट पर लौटी थी, जहां उन्हें थाईलैंड ओपन के पहले ही दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो जाना पड़ा। सिंधु का पिछले साल मार्च में आल इंग्लैंड ओपन के बाद से यह पहला टूर्नामेंट था। महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ने कहा, मैं कोर्ट पर वापसी करने को लेकर उत्साहित हूं। इस समय मैं सिर्फ अपने खेल पर ध्यान दे रही हूं।25 वर्षीय सिंधु ने आगे कहा कि करियर में हार भी उतनी ही अहम है, जितनी जीत है। विश्व चैम्पियन ने कहा, मैंने अपनी हार से बहुत कुछ सीखा है। हार आपको अगली बार मजबूती से वापसी करने की याद दिलाती है।

अर्जेंटीना दौरे पर बोलीं हॉकी कप्तान रानी रामपाल- इससे ओलंपिक की तैयारी होगी

ब्यूनस आयर्स ।

अर्जेंटीना दौरे के घोषित होते ही भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने कहा कि यह टोक्यो ओलंपिक से पहले खुद का परीक्षण करने के लिए टीम के लिए एक महत्वपूर्ण दौरा है। भारतीय महिला हॉकी टीम अंतरराष्ट्रीय मैचों को फिर से शुरू करने वाली भारत की हॉकी टीमों में से पहली बन जाएगी क्योंकि वे अर्जेंटीना के अपने दौरे के दौरान निर्धारित आठ मैच खेलेगी। 26 वर्षीय प्लेयर ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा- मुझे लगता है कि प्रतिस्पर्धी हॉकी को फिर से शुरू करने के मामले में यह दौरा वास्तव में हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हमारे पास आगे देखने के लिए एक महत्वपूर्ण साल है और हम मजबूत पक्षों के खिलाफ खेल रहे हैं। इससे हमें टोक्यो ओलिंपिक के मद्देनजर अच्छी तरह से तैयारी करने और अपने लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी। कप्तान ने कहा- लॉकडाउन दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए एक अजीब अवधि रही है। लेकिन हम जिससे सबसे ज्यादा प्यार करते हैं, उसे फिर से शुरू कर रहे हैं। यह सबसे अच्छा अहसास है। अपनी टीम की ओर से, मैं हॉकी इंडिया के दोनों प्रयासों को धन्यवाद देना चाहूंगी। हमारे लिए इस दौरे का आयोजन करने के लिए अर्जेंटीना महासंघ का भी। हम कुछ मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हैं।

बुरकीना फासो के जांगो ने वर्ल्ड इंडोर ट्रिपल जम्प रिकार्ड तोड़ा

पेरिस। बुरकीना फासो के एथलीट ह्यूज जांगो ने यहां आयोजित एक इवेंट के दौरान इंडोर ट्रिपल जम्प स्पर्धा में एक नया वर्ल्ड रिकार्ड कायम किया है। विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता जांगो के कोच टेडी टैमघो ने 2011 में जो रिकार्ड बनाया था, उसे उन्होंने 15 सेमी के अंतर से तोड़ दिया। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक 18.07 मीटर दूरी के साथ जांगो अब इंडोर इवेंट्स में 18 मीटर की दूरी नापने वाले पहले एथलीट बन गए हैं।इसके साथ जांगो कोई विश्व रिकार्ड कायम करने वाले बुरकीना फासो को पहले एथलीट बन गए हैं। साथ ही वह पुरुषों की जम्प इवेंट में वर्ल्ड रिकार्ड बनाने वाले पहले अफ्रीकी एथलीट भी बन गए हैं।

आस्ट्रेलियाई ओपन : कोरोना के चार मामले आने के बाद खिलाड़ी कड़े पृथकवास पर

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के लिए 2 विशेष विमानों से यहां पहुंचे 47 खिलाड़ियों को कड़े पृथकवास पर भेज दिया गया है क्योंकि इन उड़ान में कोरोना वायरस के 4 मामले पॉजीटिव पाए गए हैं। कुछ खिलाड़ी इस बात से भी नाराज थे कि उन्हें पॉजिटिव आए लोगों के साथ फ्लाइट में मौजूद होने की वजह से ही 'करीबी संपर्क' श्रेणी में रख दिया गया है जिससे उन्हें अन्य खिलाड़ियों की तुलना में सख्त पृथकवास में रहना होगा। अन्य खिलाड़ियों को अपने कमरे से निकलकर प्रत्येक दिन पांच घंटे अभ्यास की अनुमति होगी जबकि करीबी संपर्क वाले खिलाड़ियों के साथ ऐसा नहीं होगा और वे कमरों से बाहर नहीं निकल पाएंगे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि सभी खिलाड़ियों को पहले ही जोखिम के बारे में चेतावनी दे दी गई है। और इन नियमों को तोड़ने के संबंध में भी खिलाड़ियों को चेताया गया है। अगर पृथकवास के नियमों का उल्लंघन होता है तो उन्हें भारी जुर्माने के साथ और अधिक सुरक्षित पृथकवास परिसर में भेज दिया जायेगा जहां उनके होटल के कमरों के दरवाजों के बाहर पुलिस तैनात होगी। शनिवार को तीन पॉजिटिव मामलों की घोषणा की गई थी और विक्टोरिया की कोविड-19 पृथकवास आयुक्त एम्मा कासार ने रविवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इसमें एक चौथा पॉजिटिव मामला भी सामने आया है। अभी तक कोई भी खिलाड़ी पॉजिटिव नहीं मिला है। लास एंजिल्स की फ्लाइट में एक क्रू सदस्य, एक कोच और टीवी प्रसारण टीम के एक सदस्य को पॉजिटिव पाया गया। एक अन्य मामला अबुधाबी से पहुंची उड़ान में के एक कोच के पॉजिटिव आने का है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि लास एंजिल्स और अबुधाबी से यहां पहुंची उड़ान में ये मामले पाए गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि लास एंजिल्स से आए विशेष विमान में कोविड-19 के तीन मामले पाये गये। एक मामला अबुधाबी से यहां पहुंचे विमान में मिला। इन चारों को ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट लेने से पहले जांच में नेगेटिव पाया गया था। इन चारों को होटल में रखा गया है। कनाडा की स्टार खिलाड़ी बियांका आंद्रीस्कू के कोच सिल्वेन ब्रूनीयु ने कहा है कि उन्हें अबुधाबी से यहां पहुंचने पर कोविड-19 के लिये पॉजीटिव पाया गया। उन्होंने कहा, ''मेरी टीम के अन्य सदस्यों का परीक्षण परिणाम नेगेटिव आया है। दो बार की ओपन चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका और 2014 अमेरिकी ओपन के उप विजेता केई निशिकोरी लास एंजिल्स की फ्लाइट में थे।

इससे पहले अधिकारियों ने कहा कि लास एंजिल्स से आने वाले सभी यात्रियों को 14 दिन तक होटल में कड़े पृथकवास पर भेज दिया गया है। टेनिस आस्ट्रेलिया ने पुष्टि की कि लास एंजिल्स से पहुंचे विमान में 24 और अबुधाबी से आये विमान में 23 खिलाड़ी थे।

हमारी योजना आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को थकाने की थी - ठाकुर

ब्रिस्बेन। शार्दुल ठाकुर और वॉशिंगटन सुंदर ने यहां के गाबा इंटरनेशनल स्टेडियम में आस्ट्रेलिया के साथ जारी चौथे और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को सातवें विकेट के लिए 123 रनों की साझेदारी करके आस्ट्रेलिया को बड़ी बढ़त लेने से रोक दिया। ठाकुर (67) और सुंदर (62) के बीच सातवें विकेट के लिए हुई शतकीय और बहुमूल्य साझेदारी के दम पर भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अपनी पहली पारी में 336 रन का स्कोर बनाया। ठाकुर ने मैच के बाद कहा, वे मेरे साथ बातचीत करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मैं उनको जवाब नहीं दे रहा था। एक या दो बार मैंने उन्हें एक शब्द में जवाब दिया। यहां तक कि उन्होंने मेरे उपर छींटाकाशी करने की भी कोशिश की, लेकिन मैंने उसे नजर अंदाज कर दिया और अपना खेल जारी रखा। ठाकुर ने 115 गेंदों पर नौ चौके और दो छक्के लगाए। सुंदर ने 144 गेंदों पर सात चौके और एक छक्का लगाया।ठाकुर ने कहा, हम स्कोर बोर्ड की तरफ नहीं देख रहे थे। हमारी योजना विकेट पर कुछ समय बिताने की थी। हम जानते थे कि उनके गेंदबाज थक रहे थे और यह पहले पहले घंटे की बात थी। इसलिए हमारी योजना थी कि अगर हम उनके गेंदबाजों को और थकाते हैं तो हम मैच में बने रहेंगे। इसलिए हमारे लिए यह जरूरी था कि हम उन्हें थकाएं और कमजोर गेंदों का फायदा उठाएं। आस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 21 रन बना लिए हैं और उसे अब तक 54 रनों की बढ़त हासिल हो चुकी है। भारत ने आस्ट्रेलिया को उसकी पहली पारी में 369 रनों पर समेट दिया था और इस लिहाज से आस्ट्रेलिया को पहली पारी में केवल 33 रनों की ही बढ़त मिल पाई।उन्होंने कहा, जब हम क्रीज पर नए थे तो हम डिफेंड करने की कोशिश कर रहे थे। जैसे जैसे हमारी साझेदारी बड़ी होती हो गई तो हमने शॉट खेलना शुरू कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

छठी बार युगांडा के राष्ट्रपति बने योवेरी मुसेवेनी, विपक्षी पार्टी ने लगाया धांधली का आरोप

कंपाला। युगांडा के निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने चुनाव में छठी बार जीत हासिल की। उनका कार्यकाल पांच वर्ष का होगा तथा इसके साथ ही चार दशक से चल रहे उनके शासन का विस्तार होगा। हालांकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी बॉबी वाइन ने चुनाव परिणाम में धांधली का आरोप लगाते हुए इन्हें खारिज कर दिया। अधिकारी भी हालांकि स्पष्ट रूप से यह नहीं बता पाए कि इंटरनेट ठप होने के बीच चुनाव परिणाम किस प्रकार एकत्रित किए गए। निवार्चन आयोग ने कहा कि मुसेवेनी को 58 फीसदी मत मिले तथा वाइन को 34 फीसदी मत मिले।
76 वर्षीय मुसेवेनी ने सबसे पहले 1986 में पदभार संभाला था। दूसरी ओर वाइन ने जीत का दावा करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने उनके घर को हर ओर से घेर लिया है तथा उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। इस पूर्वी अफ्रीकी देश में चुनाव पूर्व भयंकर हिंसा हुई थी। वाइन तथा अन्य उम्मीदवारों को मारा पीटा गया और प्रताड़ित किया गया। इसमें 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई। मुसेवेनी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, ''मेरे खयाल से यह 1962 के बाद सबसे अधिक ईमानदारी से लड़ा गया चुनाव है।

ऐतिहासिक होगा यह पल! पहली लातिन अमेरिकी न्यायमूर्ति दिलाएंगी कमला हैरिस को शपथ

वाशिंगटन। बुधवार को होने शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को शपथ उच्चतम न्यायालय की न्यायमूर्ति सोनिया सोटोमायोर दिलवाएंगी। यह कार्यक्रम इस लिहाज से ऐतिहासिक होगा कि पहली अश्वेत, दक्षिण एशियाई महिला उप राष्ट्रपति को शपथ दिलाने वाली सोटोमायोर पहली लातिन अमेरिकी न्यायमूर्ति हैं। एक सूत्र के मुताबिक सोटोमायोर का चयन हैरिस ने किया है। दोनों ने साथ में वकालत की है। शपथ ग्रहण में दो बाइबल का भी उपयोग किया जाएगा जिनमें से एक उच्चतम न्यायालय के पहले अश्वेत न्यायमूर्ति थरगुड मार्शल की होगी।
हैरिस के शपथ ग्रहण की यह नवीनतम जानकारी एबीसी न्यूज ने दी। हैरिस, सोटोमायोर और मार्शल दोनों की प्रशंसक रही हैं। उन्होंने ट्विटर पर पोस्ट एक वीडियो में कहा था कि ''उनके वकील बनने की इच्छा के पीछे एक प्रमुख वजह मार्शल हैं।'' सोटोमायोर ने इससे पहले 2013 में जो बाइडन को उप राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई थी।

अफगानिस्तान की राजधानी में बंदूकधारियों के हमले में दो महिला न्यायाधीशों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बंदूधारियों ने एक कार पर गोलीबारी की जिसमें अफगानिस्तान की हाईकोर्ट में कार्यरत दो महिला न्यायाधीशों की मौत हो गई और कार चालक घायल हो गया। कतर में अफगान सरकार के अधिकारियों और तालिबान के बीच जारी शांति वार्ता के दौरान काबुल में हुआ यह ताजा हमला है। अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता अहमद फहीम कावियम ने बताया कि हमले में मारी गईं महिलाएं न्यायाधीश थीं, जो हाईकोर्ट में कार्यरत थी, लेकिन उन्होंने उनके नाम नहीं बताए। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि इस हमले के पीछे तालिबान का हाथ नहीं है।
अफगानिस्तान सरकार ने हालिया महीनों में हुईं हत्या की घटनाओं के लिए तालिबान को दोषी ठहराया है, जबकि तालिबान का आरोप है कि सरकार शांति प्रक्रिया को बाधित करने के लिए इस प्रकार की हत्याएं करा रही है। राजधानी में शैक्षणिक संस्थानों पर हमले समेत हालिया कुछ महीने में हुए हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है। शैक्षणिक संस्थानों पर हमले में 50 लोगों की मौत हो गई थी।

चीन की लापरवाही दुनिया को पड़ी भारी! वैज्ञानिकों ने मानी चमगादड़ों के काटने की बात

बीजिंग। दुनियाभर में कोहराम मचाने वाले कोरोना वायरस की शुरुआत बीते साल चीन के वुहान से हुई थी। कई बार टांग अड़ाने के बाद अब जाकर चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम को इसकी उत्पत्ति की जांच के लिए वुहान आने दिया है। हालांकि, इस बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिससे एक बार फिर इस बात की पुष्टि होती है कि कोरोना वायरस चमगादड़ों से ही इंसानों तक पहुंचा और इसकी एक सबसे बड़ी वजह चीनी वैज्ञानिकों की लापरवाही थी। दरअसल, दो साल पहले का एक वीडियो से यह पता लगा है कि वुहान इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी WIV के वैज्ञानिकों को एक गुफा से सैंपल लेते समय चमगादड़ों ने काटा था। वीडियो में वैज्ञानिक खुद यह मान रहे हैं। यही नहीं यह गुफाएं कोरोना वायरस से संक्रमित चमगादड़ों का घर कही जाती हैं। 'ताइवान न्यूज' के मुताबिक, 29 दिसंबर 2017 को चीन के एक सरकारी टीवी चैनल ने वीडियो जारी किया था जिसमें चीन की बैट वुमन कही जाने वाली शी झेंगली और WIV में वैज्ञानिकों की उनकी टीम स्ट्रक्र की उत्पत्ति का पता लगाने निकले थे। यह जानते हुए कि गुफा में मौजूद चमगादड़ खतरनाक और संक्रामक साबित हो सकते हैं, वीडियो में वैज्ञानिकों को सुरक्षा मानको को ताक पर रखते देखा जा सकता है। कुछ ने टीशर्ट पहनी थी तो कुछ बेफिक्र होकर चमगादड़ों को पकड़े दिख रहे हैं।

परंपरागत भारतीय रंगोली के साथ होगी बाइडेन-हैरिस के शपथग्रहण समारोह की शुरुआत

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के शपथ ग्रहण से जुड़े ऑनलाइन समारोह की शुरुआत परंपरागत भारतीय रंगोली के साथ होगी। रंगोली को तमिलनाडु में कोलम के नाम से जाना जाता है। घर के द्वार पर इसे बनाना शुभ माना जाता है।हैरिस की मां मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली थीं। रंगोली के हजारों डिजाइन बनाने के लिए अमेरिका और भारत के 1,800 से अधिक लोगों ने इस ऑनलाइन पहल में हिस्सा लिया।

इस पहल में भाग लेने वाली मल्टीमीडिया कलाकार शांतिचंद्रशेखर ने कहा, '' कईलोगों का मानना है कि कोलम सकारात्मक ऊर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक है। विभिन्न समुदायों के सभी आयुवर्ग के लोगों ने पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से बनी रंगोलियां बनाने की इस पहल में अपने-अपने घर से भाग लिया। स्थानीय स्तर पर शुरू की गई यह पहल हमारी उम्मीदों से अधिक बड़ी बन गई।'' शुरुआत में इसे व्हाइट हाउस के बाहर बनाया जाना था। बाद में इसे कैपिटल हिल के बाहर बनाने की अनुमति दे दी गई थी, लेकिन वाशिंगटन डीसी में सुरक्षा के अभूतपूर्व प्रबंधों के कारण यह अनुमति रद्द कर दी गई। इसी कारण बाइडन और हैरिस का स्वागत करने के लिए रंगोली के हजारों डिजाइन को एक वीडियो में सजाया गया, ताकि अमेरिका की बहु सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया जा सके। 'इनॉगरेशन कोलम 2021' आयोजन दल की सदस्य सौम्या सोमनाथ ने कहा कि स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों की मंजूरी के बाद इसे प्रदर्शित किये जाने की तारीख तय की जाएगी।

शपथ ग्रहण करते ही एक्शन में आएंगे जो बाइडेन, पहले ही दिन एक दर्जन प्रस्तावों पर करेंगे हस्ताक्षर

वाशिंगटन।अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन अपने कार्यकाल के पहले दिन देश के सामने मौजूद चार चुनौतियों- कोविड-19 संकट, आर्थिक संकट, पर्यावरण संबंधी संकट और नस्ली असमानता से निपटने के लिए करीब एक दर्जन प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करेंगे। व्हाइट हाउस के नवनियुक्त चीफ आफ स्टाफ रोन क्लीन ने आगामी व्हाइट हाउस वरिष्ठ कर्मियों को शनिवार को दिए एक ज्ञापन में कहा, ''नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बाइडन ऐसे समय में कार्यभाल संभाल रहे हैं, जब देश गंभीर संकट से जूझ रहा है। हमारे सामने चार बड़े संकट हैं, जो एक दूसरे से जुड़े हैं।

ये संकट हैं- कोविड-19 संकट, इसके कारण पैदा हुआ आर्थिक संकट, पर्यावरण से जुड़ा संकट और नस्ली समानता (के अभाव) से जुड़ा संकट।'' उन्होंने कहा कि इन सभी संकटों के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है और बाइडन अपने कार्यकाल के शुरुआती 10 दिन में इन संकटों से निपटने के लिए निर्णायक कदम उठाएंगे। क्लीन ने कहा, ''शपथ ग्रहण के दिन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बाइडन चार संकटों से निपटने के लिए करीब एक दर्जन प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करेंगे।'' उन्होंने कहा कि जैसे कि पहले ही घोषणा की गई थी, वह शिक्षा विभाग से छात्रों के लिए ऋण के भुगतान पर मौजूदा रोक की अवधि बढ़ाएंगे, पेरिस समझौते में पुनः शामिल होंगे और ''मुसलमानों पर प्रतिबंध'' हटाएंगे।

जो बाइडन के शपथ से पहले वाशिंगटन में बढ़ाई गई सख्त सुरक्षा, बुलाए गए हजारों सैनिक

वाशिंगटन। वाशिंगटन में हिंसक प्रदर्शनों की आशंका के मद्देनजर रक्षा अधिकारियों द्वारा और सैनिकों को भेजने की मांग के बाद बड़ी संख्या में सैनिक विभिन्न राज्यों से बसों और विमानों के जरिए शनिवार को राजधानी में आने लगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के शपथ लेने से पहले प्रदर्शनों की आशंका को देखते हुए सेना के अधिकारियों ने राज्यों के गर्वनरों से नेशनल गार्ड के अधिकाधिक जवानों को भेजने की अपील की थी जिससे कि शहर के ज्यादातर हिस्से में शपथ ग्रहण से पहले लॉकडाउन लगाया जा सके।

गौरतलब है कि छह जनवरी को अमेरिकी संसद भवन कैपिटल पर भीड़ ने हिंसक धावा बोला था। उसी घटना को देखते हुए यह आशंका जताई जा रही है कि हिंसक कट्टरपंथी समूह शहर को निशाना बना सकते हैं। सशस्त्र घुसपैठियों के आने तथा विस्फोटक उपकरण लगाने जैसी आशंका भी जताई गई है। वाशिंगटन में अगले हफ्ते की शुरुआत तक 25,000 से अधिक सैनिकों के आने का अनुमान है। लेकिन इसके साथ ही राज्यों के संसद भवनों में हिंसा की आशंका के संबंध में चिंता जताई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक बीते 72 घंटों में कम से कम 7,000 सैनिक मैरीलैंड में ज्वाइंट बेस एंड्रूज पहुंचे। कई हजार सैनिक बसों और सेना के ट्रकों में सवार हैं और वाशिंगटन आ रहे हैं। सेना संबंधी मामलों कें मंत्री रायन मैक्कर्थी ने गवर्नरों से मदद मांगी थी।

तिब्बत पर कानून बनाकर अमेरिका ने दी चीन को चुनौती, भारत को चीन से वार्ता में मिलेंगे ज्यादा विकल्प

एम्सटर्डम। (एजेंसी)।

अमेरिका ने तिब्बत पर कानून बनाकर इस पर्वतीय इलाके पर चीन के अधिकार को सीधी चुनौती दे दी है। चीन यहां 50 साल से ज्यादा समय से लगातार उत्पीड़न कर रहा है। वहां की सांस्कृतिक पहचान नष्ट करने के लिए सुनियोजित चालें चल रहा है। तिब्बत के आध्यात्मिक प्रमुख दलाई लामा ने भारत में शरण ली हुई है और उनके संरक्षकत्व में यहीं से तिब्बत की निर्वासित सरकार कार्य कर रही है।

अमेरिका ने की तिब्बत में चीन के उत्पीड़न को रोकने की शुरुआत

अमेरिका ने हाल ही में द टिबेटन पॉलिसी एंड सपोर्ट एक्ट (टीपीएसए) बनाकर तिब्बत में चीन के उत्पीड़न को रोकने की शुरुआत कर दी है। इससे पहले तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रधानमंत्री को अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आमंत्रित किया था और उनके साथ आधिकारिक वार्ता की थी। चीन ने इस पर कड़ा विरोध जताया था।

भारत को चीन से वार्ता में अब ज्यादा विकल्प मिलेंगे

थिंक टैंक यूरोपियन फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज (ईएफएसएएस) ने कहा है कि अमेरिकी कानून ने भारत के लिए चीन से भविष्य के संबंध तय करने के लिए बातचीत के विकल्पों को बढ़ाया है। भारत इस कानून का हवाला देकर चीन के साथ तिब्बत मसले पर कड़ाई के साथ बात कर सकता है। भारत को इस मामले में अब अमेरिका का साथ मिलना भी तय हो गया है।

तिब्बत के लिए चलने वाला अंतरराष्ट्रीय अभियान

अमेरिकी संसद में टीपीएसए को सत्ता पक्ष और विपक्ष का मजबूत समर्थन मिला। इससे संबंधित प्रस्ताव को प्रतिनिधि सभा में सांसद जेम्स मैकगवर्न और क्रिस स्मिथ ने रखा था। जबकि सीनेट में मार्को रूबियो और बेन कार्डिन ने पेश किया था। तिब्बत के लिए चलने वाला अंतरराष्ट्रीय अभियान का मानना है कि टीपीएसए पर्वतीय राष्ट्र को लेकर अमेरिकी नीति का नया अध्याय है।

मध्य एशिया का स्वतंत्र देश तिब्बत में चीन कर रहा उत्पीड़न

एक समय मध्य एशिया का यह स्वतंत्र देश अब दुनिया के सबसे ज्यादा उत्पीड़न झेल रहे इलाकों में से एक है। तिब्बत में यह उत्पीड़न चीन कर रहा है। टीपीएसए दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन के मामले में तिब्बती बौद्ध समुदाय का फैसला सर्वोपरि मानता है।

अमेरिका दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन प्रक्रिया में चीन के हस्तक्षेप को नहीं देता मान्यता

अमेरिका दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन प्रक्रिया में चीन सरकार के हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देता। इस तरह के हस्तक्षेप में चीन का जो भी अधिकारी शामिल होगा, निश्चित रूप से उसे अमेरिका का प्रतिबंध झेलना होगा।

आइसक्रीम में कोरोना वायरस? चीन के इस शहर में बंद की गई फूड कंपनी

बीजिंग। (एजेंसी)।

पूर्वी चीन के एक शहर में आइसक्रीम में कोरोना वायरस पाए जाने के बाद उस बैच के सभी डिब्बों को वापस मंगाया गया है। बीजिंग के निकट स्थित तियानजिन शहर की सरकार ने एक बयान जारी करके बताया कि शहर में स्थित दाकियाओदाओ फूड कंपनी को सील कर दिया गया है और उसके कर्मियों की कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी जांच की जा रही है। हालांकि ,अभी तक इस बात का कोई संकेत नहीं मिला है कि आइसक्रीम में मिले वायरस के कारण कोई व्यक्ति संक्रमित हुआ हो।

सरकार ने बताया कि बैच के 29,000 डिब्बों में से अधिकतर को अभी बेचा नहीं गया है। तियानजिन में बेचे गए 390 डिब्बों का पता लगाया जा रहा है। सरकार ने बताया कि इस आइसक्रीम में न्यूजीलैंड में बना दूध का पाउडर और यूक्रेन का छाछ पाउडर इस्तेमाल किया गया था। चीन सरकार ने कहा है कि यह बीमारी किसी अन्य देश से उसके देश में पहुंची थी। उनका कहना है कि आयातित मछली एवं अन्य खाद्य सामग्रियों में कोरोना वायरस मिला है, लेकिनविदेशी वैज्ञानिकों को इस बात पर संदेह हैं। कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला वुहान में 2019 के अंत में सामने आया था।

टीकाकरण अभियान के लिए श्रीलंका और भूटान ने दी पीएम मोदी को बधाई

थिंपू/कोलंबो। (एजेंसी)।

भूटान के प्रधानमंत्री लोते शेरिंग और श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने के लिए शनिवार को अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि इससे महामारी के चलते लोगों द्वारा सहन की गई पीड़ा खत्म हो होगी। मोदी ने शनिवार को दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू किया, जिसके तहत कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ जंग में अग्रिम मोर्चे पर डटे स्वास्थ्यकर्मियों को सबसे पहले टीका लगाया जा रहा है।

देशभर के चिकित्सा केन्द्रों में कोविशील्ड तथा कोवैक्सीन टीके लगाए गए हैं। शेरिंग ने ट्वीट किया, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की जनता को आज शुरू किए ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के लिए बधाई देता हूं। उम्मीद है कि इससे वे सभी पीड़ाएं खत्म हो जाएंगी, जिन्हें महामारी के दौरान हमने सहा है। अपने फेसबुक अकांउट पर इसी तरह के एक पोस्ट में शेरिंग ने कहा कि इतनी बढ़ी संख्या में टीका हासिल करने और उसके वितरण में प्रधानमंत्री ने प्रबल और कृपालु नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हम महामहिम (प्रधानमंत्री मोदी) और भारत के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की प्रार्थना करते हैं। अपने जवाब में मोदी ने शेरिंग की शुभकामनाओं के लिए उनका आभार जताया।

मोदी ने ट्वीट, भूटान के प्रधानमंत्री का शुक्रिया। जिस टीके को पहले इतने कम समय में तैयार करना असंभव माना जा रहा था, यह हमारे वैज्ञानिकों, डॉक्टरों और नवोन्मेषकों के प्रयासों की वजह से वास्तविकता बन गया है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को स्वस्थ रखने के लिए भारत सबकुछ करने को तैयार है। राजपक्षे ने ट्विटर पर टीकाकरण अभियान शुरू करने के लिए मोदी और भारत सरकार को बधाई दी। श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, इतने व्यापक स्तर पर कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने के वास्ते अत्यंत अहम कदम उठाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार को बधाई। हमने इस विशानकारी महामारी के अंत को देखना शुरू कर दिया है। राजपक्षे ने भारतीय उच्चायोग द्वारा ट्विटर पर किए गए पोस्ट की प्रतिक्रिया में ट्वीट किया। भारतीय उच्चायोग ने अपने ट्वीट में टीकाकरण अभियान की जानकारी दी।

पाकिस्तान ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के टीके को दी आपात इस्तेमाल की मंजूरी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका कोविड-19 टीके के आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दे दी है और सरकार को उम्मीद है कि वर्ष की पहली तिमाही तक टीका उपलब्ध करा दिया जाएगा। पाकिस्तान में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या बढ़कर 519,291 हो गई है। 'जियो टीवी' की एक खबर के अनुसार स्वास्थ्य मामले पर प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सहायक डॉ. फैसल सुल्तान ने शनिवार को इसकी पुष्टि की कि पाकिस्तान औषधि नियामक प्राधिकरण (डीआरएपी) ने देशभर में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका कोरोना वायरस टीके के आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दे दी है। 'जियो टीवी'के अनुसार योजना मंत्री असद उमर ने कहा कि टीके को मार्च तक उतारा जाएगा।

उमर देश के कोरोना वायरस नियंत्रण निकाय 'नेशनल कमांड एंड ऑपरेशंस सेंटर' (एनसीओसी)के प्रमुख भी हैं। उमर ने कहा कि पहले चरण में, टीका स्वास्थ्य कर्मियों और 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों को दिया जाएगा। टीके को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है और यह एस्ट्राज़ेनेका द्वारा निर्मित है, जो एक ब्रिटिश-स्वीडिश बहुराष्ट्रीय दवा और बायोफर्मासिटिकल कंपनी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में 43 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई, जिससे देश में मृतक संख्या बढ़कर 10,951 हो गई। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 2,521 नए मामले सामने आने से देश में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 519,291 हो गई। डा. सुलतान ने शुक्रवार को कहा था कि पाकिस्तान कोविड-19 टीके की खरीद के लिए चीन और अन्य कंपनियों के साथ सम्पर्क में है।

ब्रिटेन में मार्च से लॉकडाउन के प्रतिबंधों में मिल सकती है ढील, विदेश मंत्री डॉमिनिक रॉब ने जताई उम्मीद

लंदन।(एजेंसी)।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमिनिक रॉब ने कहा है कि मार्च से चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन के प्रतिबंधों में ढील मिल सकती है। ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट मिलने के बाद पांच जनवरी को पूरे देश में एक बार फिर राष्ट्रीय लॉकडाउन का एलान किया गया था। इस दौरान ना केवल स्कूल तक बंद किए गए हैं बल्कि गैर जरूरी व्यवसायों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

स्काई न्यूज के साथ बातचीत में विदेश मंत्री ने कहा कि शुरुआती वसंत तक या मार्च तक हम स्थिति में होंगे कि लॉकडाउन के प्रतिबंधों में कुछ रियायतें दी जा सके। हालांकि प्रतिबंधों में ढील भी चरणबद्ध तरीके से ही मिलेगी। दरअसल, प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन फरवरी के मध्य तक अधिक आयु वर्ग और फ्रंटलाइन वर्करों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा है। उधर, द संडे टाइम्स के मुताबिक लॉकडाउन प्रतिबंधों में छूट को लेकर मंत्रियों के बीच उभरे मतभेदों को सुलझा लिया गया है।

इटली ने ब्राजील से आने वाली उड़ानों पर रोक लगाई

इटली ने ब्राजील से आने वाली सीधी फ्लाइट पर रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है 31 जनवरी तक चलेगा। ब्राजील से आने वाले चार यात्रियों में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट पाए जाने के बाद इटली की सरकार ने यह कदम उठाया है। उधर, पिछले चौबीस घंटों के दौरान ब्राजील में 1050 लोगों की मौत हुई है जबकि 61,567 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

विश्वभर में कोरोना महामारी से जुड़े प्रमुख बिंदु

- लॉस एंजिलिस पहली ऐसी काउंटी बन गई है, जहां पर कोरोना मामलों की संख्या 10 लाख से ज्यादा हो गई है। यहां पर शनिवार को 14,669 नए मामले सामने आए और 253 लोगों की मौत हुई है।
- कनाडा में कोरोना संक्रमित मरीज़ों की तादाद सात लाख से ज्यादा हो गई है। अब तक 17,847 लोगों की मौत हो चुकी है।
- सिंगापुर आने वाले सभी लोगों को अनिवार्य रूप से कोरोना का टेस्ट कराना होगा।
- चीन में कोरोना के 109 नए मामले सामने आए हैं। 96 लोग जहां घरेलू तौर पर संक्रमित हुए हैं वहीं 13 लोग विदेश से आए हैं।
- पुर्तगाल के वित्त राज्य मंत्री की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हालांकि उनमें अभी भी किसी प्रकार के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कोरोना टीकाकरण कार्य

केंद्र सरकार के गाइडलाइन के अनुसार लगे कोविड-19 के टीके : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कोरोना टीकाकरण कार्य को केन्द्र सरकार की गाइडलाइन तथा क्रम के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार का कोई भी बदलाव न किया जाए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब तक 22,643 लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए टीके की पहली खुराक दी गई है। मुख्यमंत्री रविवार को यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रदेश में शनिवार से प्रारम्भ हुए कोविड-19 टीकाकरण अभियान की विस्तार से जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होंने

टीकाकरण को सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में 22,643 लोगों को अब तक कोविड-19 से बचाव के लिए विकसित टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमण की दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद वर्तमान में भी पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड-19 से बचाव के सम्बन्ध में निरन्तर जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र लोगों को आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित किया जाए।

पिकनिक स्पॉट जंगल में प्रेमी-प्रेमिका ने खाया जहर

लखनऊ(एजेंसी)। राजधानी के इन्दिरानगर स्थित पिकनिक स्पॉट जंगल में प्रेमी युगल ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर दोनों को इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक मूलतरू हरदोई निवासी विनय शुक्ला मुंशीपुलिया में किराए का कमरा लेकर रहता है। कुछ वक्त पहले तक वह महिंद्रा कम्पनी में काम करता था। विनय की दोस्ती अलीगंज निवासी युवक से थी। जिसके घर भी वह अक्सर जाता था। दोस्त की 15 वर्षीय बहन से विनय के संबंध हो गए थे। दोनों प्रेम करते थे। विनय दोस्त की बहन से शादी करना चाहता था। मगर, विनय के परिवार वाले गैर बिरादरी में शादी करने के लिए तैयार नहीं थे। इस बात को लेकर वह काफी परेशान था। शनिवार को विनय ने किशोरी को मिलने के लिए पिकनिक स्पॉट जंगल में बुलाया था। जहां काफी देर तक साथ रहने के बाद दोनों ने कीटनाशक पदार्थ खा कर खुदकुशी करने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती प्रेमी युगल की हालत खतरे से बाहर है।

किशोरी और विनय के परिवार को सूचना दी गई है।

उरई में कृषि यंत्र गोदाम के चैकीदार की हत्याकर लूटपाट

जालौन (एजेंसी)। उरई के बाहर कोंच रोड स्थित कृषि यंत्र गोदाम पर शनिवार देर रात बदमाशों ने हमला बोल दिया। बदमाशों ने सो रहे चैकीदार की धारदार हथियार से हत्या कर दी और गोदाम से बोरिंग का सामान लूट लिया। घटना के बाद मौके से भागे बदमाशों का सामना औरैया बॉर्डर के पास कुठौंद पुलिस से हो गया जिसमें पुलिस की घेराबंदी पर ट्रैक्टर और बोरिंग का सामान मौके पर छोड़कर बदमाश भाग निकले। उरई पुलिस ने चैकीदार के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक उरई कृषि यंत्र व्यापारी कृष्ण मुरारी मिश्रा शहर के बाहर पहुंच रोड स्थित कांशीराम कालोनी के पास कृषि यंत्र का गोदाम है जहां रोज की तरह शनिवार रात को चैकीदार धर्म कुशवाहा (50)

निवासी मिहोना जिला भिंड मध्य प्रदेश सो रहा था तभी रात एक बजे कुछ बदमाशों ने गोदाम पर धावा बोल दिया और सो रहे चैकीदार धर्म कुशवाहा की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी। इसके बाद बदमाशों ने अपने साथ लाए ट्रैक्टर पर बोरिंग का सामान लादकर कर लूट लिया और वहां से भाग निकले। बदमाश जब जालौन की सीमा पार करने के लिए औरैया जिले की तरफ भाग रहे थे तभी कुठौंद थानेदार अरुण कुमार तिवारी शंकरपुर चैकी के पास गश्त करते उनको मिल गए। जैसे ही पुलिस ने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो वह ट्रैक्टर व उस पर लदा सामान मौके पर ही छोड़ खेतों में घुसकर भाग निकले। उधर रविवार सुबह गोदाम में चैकीदार की हत्या की जानकारी पाकर पुलिस और गोदाम मालिक मौके पर पहुंचे और चैकीदार के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मृतक चैकीदार के घरवालों को खबर कर दिया और अपनी छानबीन शुरूकर दी है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

विकास दुबे की बायोपिक और किताब पर पत्नी ऋचा ने जताया एतराज

इलाहाबाद(एजेंसी)। कानपुर के बिकरूकांड के बाद पुलिस एनकाउंटर में मारे गए विकास दुबे के जीवन पर जल्द ही एक किताब और फिल्म रिलीज करने की तैयारी है।

किताब और फिल्म को लेकर विकास दुबे के परिवार वालों ने कड़ा एतराज जताया है और दोनों पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

विकास दुबे की पत्नी ऋचा दुबे ने इस मामले में किताब के लेखक और फिल्म के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर व कलाकारों को कानूनी नोटिस भेजा है। सात दिनों में उचित जवाब नहीं दिए जाने पर हाईकोर्ट में मुकदमा दाखिल किए जाने की बात कही है।

ऋचा दुबे की ओर से उनके वकीलों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और सूचना व प्रसारण मंत्रालय में भी अर्जी देकर इस मामले में दखल देने की गुहार लगाई है। ऋचा दुबे के वकीलों ने पचास लाख रूपये लेकर फिल्म बनाने का अधिकार दिए जाने को भी गलत बताया है। अर्जी में कहा गया है कि किताब और फिल्म से ऋचा दुबे और उनके परिवार की छवि धूमिल होगी।

लीगल नोटिस के बाद अब कोर्ट जाने की तैयारी, गृह मंत्रालय से दखल की गुहार

गौरतलब है कि मृदुल कपिल नाम के लेखक इन दिनों 卐मैं कानपुर वाला卐 के नाम से विकास दुबे की जीवनी पर एक किताब लिख रहे हैं। उनकी इस स्टोरी को बेस बनाकर द प्रोडक्शन हेडक्वार्टर्स लिमिटेड और सरकार प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड नाम की प्रोडक्शन कंपनी के साथ मिलकर एक फिल्म का निर्माण कर रही हैं।

फिल्म की शूटिंग तेजी से अलग-अलग जगहों पर की जा रही है।

फिल्म का टाइटल 卐हनक卐 रखा गया है। ऋचा दुबे के वकील प्रभाशंकर मिश्र और ऋषभ राज ने इस मामले में प्रयागराज में प्रेस कांफ्रेंस कर कानूनी नोटिस और मंत्रालयों को अर्जी भेजने की जानकारी दी है।

ऋचा दुबे के अधिवक्ता ने बायोपिक को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का भी उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा है कि इस तरह से बगैर अनुमति फिल्म बनाना किसी भी व्यक्ति के स्वतंत्रता और निजता के अधिकारों का भी हनन है।

फिल्म और किताब से जुड़े लोगों को भेजी गई नोटिसों पर खुद ऋचा दुबे ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

नोटिस में कहा गया है कि किसी के जीवन पर फिल्म बनाने या किताब लिखने से पहले खुद उसकी या उसकी गैर मौजूदगी में परिवार की सहमति बेहद जरूरी है।

किताब और फिल्म दोनों से ही जुड़े लोगों ने ऋचा दुबे को जानकारी तक नहीं दी है।

फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद परिवार को इस बारे में जानकारी मिली है।

सार-समाचार

हवाई अड्डे से जुड़ने वाली सड़क का हुआ शिलान्यास, 21 करोड़ से बनेगी सड़क

कुशीनगर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली फोरलेन सडक का कुशीनगर के सांसद विजय कुमार दुबे ने शनिवार को शिलान्यास किया । एक किलोमीटर लम्बी इस सड़क के निर्माण में करीब 21 करोड़ के खर्च होने का अनुमान है ।

सड़क के शिलान्यास के बाद वहा एक सभा आयोजन हुआ। सभा को संबोधित करते हुये सांसद दुबे ने कहा कि मेरा एक ही प्रयास था कि संसद में कुशीनगर की आवाज उठाउंगा। चार दिन लगातार मौका मिला था। विरोधी मानसिकता के लोगों ने एयरपोर्ट को लेकर विरोध जताया था। अब पीएम मोदी ने भरोसा दिया है कि हवाई अड्डा का उद्घाटन ऐतिहासिक होगा।

वही सभा को संबोधित करते हुए विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा विकास में विश्वास रखती है। योगी के नेतृत्व में चतुर्दिक विकास कर रहे। एयरपोर्ट की सफलता में सबका प्रयास काम आया है। उन्होंने कहा कि कोविड में काम रूका था, लेकिन वह तेजी से शुरूहो गया है।

साधु-संतों ने किया फिल्म तांडव का विरोध बुद्धि-शुद्धि यज्ञ के साथ सीएम योगी को लिखा पत्र

वाराणसी(एजेंसी)। सैफ अली खान स्टारर बॉलीवुड फिल्म तांडव को लेकर एक बार फिर से हंगामा शुरूहो गया है। काशी के साधु-संत फिल्म तांडव के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म के खिलाफ अपनी आपत्ति दर्ज करते हुए संतों ने फिल्म निर्माताओं कलाकारों के लिए बुद्धि शुद्धि यज्ञ किया। साथ ही फिल्म के पोस्टर जलाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संतों ने फिल्म के कलाकारों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल, फिर से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई तांडव फिल्म पर बवाल की वजह है फिल्म का एक सीन है। इस सीन में स्टेज पर दो कलाकार आपस में एक ड्रामा कर रहे हैं, उसी दरमियान कलाकार जीशान अय्यूब के द्वारा एक डायलॉग बोला जाता है। इस डायलॉग में भगवान राम और भगवान शिव को लेकर बातें की गई है। जिसमे कहा गया है कि भगवान राम आजकल डिमांड में है, महादेव आप कुछ करिये। इसके अलावा जेएनयू की तरह इस फ़िल्म में भी आज़ादी सम्बंधित नारे लागये गए हैं। जिसमें आपत्तिजनक बातें की जाती है। जैसे ही फिल्म रिलीज हुई काशी के संतों की तरफ से विरोध के स्वर फूट पड़े। विरोध इतना ज्यादा है कि फिल्मी कलाकारों के खिलाफ बुद्धि-शुद्धि यज्ञ किया गया। सीन को लेकर रविदास घाट स्थित गिताम्बा तीर्थ एक मठ में साध्वी गीता मां के नेतृत्व में संत ने एक बैठक की। हवन कुंड में फिल्म के पोस्टरों की प्रति जलाने के बाद साध्वी गिताम्बा ने बताया कि हमेशा से बॉलीवुड में फिल्मी कलाकार हिंदू धर्म के आराध्य देवताओं का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन उनकी हिम्मत मुस्लिम या ईसाई धर्म को लेकर कभी नहीं होती है। अगर इस फिल्म पर रोक नहीं लगाई गई या इस सीन को नहीं हटाया गया तो काशी के संत आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उधर काशी के संतों के साथ स्थानीय लोगों ने भी इसका विरोध किया है।

यूपी के 20 जिलों में ठंड को लेकर विशेष अलर्ट जारी, 40 जिलों में घने कोहरे की संभावना

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के 20 जिलों में भीषण ठंड को लेकर विशेष अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक इन 20 जिलों में दिन के तापमान में बेहद गिरावट होने की संभावना जताई है। इसमें पश्चिमी यूपी से लेकर तराई और पूर्वांचल के जिले शामिल हैं। प्रदेश के अलीगढ़, आगरा,हमीरपुर, बिजनौर, अमरोहा, रामपुर, बरेली, बहराइच, श्रावस्ती, हरदोई, गोण्डा, बस्ती, संत कबीरनगर, गोरखपुर, कानपुर, सुल्तानपुर, अयोध्या, रायबरेली, अमेठी, बाराबंकी, वाराणसी और सोनभद्र में अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, दूसरी तरफ मौसम विभाग ने 40 जिलों में बेहद घने कोहरे का भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें अवध क्षेत्र, पूर्वांचल, तराई, पश्चिमी यूपी और एनसीआर के जिले शामिल हैं। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी सुबह के समय ना के बराबर रहेगी। हालांकि दिन चढ़ने के साथ ही कोहरे के छटने और धूप खिलने की भी संभावना रहेगी। बता दें कि शनिवार को प्रदेश में मौसम का हाल शुक्रवार की तुलना में थोड़ा कम तल्ख रहा। ज्यादातर शहरों में दिन के तापमान में उतनी गिरावट नहीं दर्ज की गयी। प्रदेश में सिर्फ दो ही शहर ऐसे रहे जहां दिन का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के नीचे दर्ज किया गया। अलीगढ़ प्रदेश का सबसे ठण्डा शहर रहा जहां दिन का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा गोरखपुर में 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बाकी शहरों में तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। धूप खिलने और हवा न चलने के कारण तापमान में ये बढ़ोतरी देखी जा रही है।

पंचायत चुनाव में प्रधान, बीडीसी और जिला पंचायत सदस्यों की जमानत और चुनाव खर्च की सीमा तय

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर अभी से ग्रामीण इलाकों में माहौल बनाने का काम शुरूहो गया है। इस बीच, निर्वाचन आयोग ने प्रत्याशियों की जमा कराई जाने वाली जमानत राशि के साथ ही चुनावी खर्च के दायरे को नहीं बढ़ाए जाने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि जमानत धनराशि पिछले चुनाव के समान ही बरकरार रखी जाएगी। खर्च की सीमा में भी कोई बदलाव नहीं किए जाने के संकेत मिले हैं।

प्रधान पद के लिए 2 हजार, सदस्य को 500, क्षेत्र पंचायत सदस्य को 2 हजार रूपए भरनी होगी जमानत राशि

जिला पंचायतीराज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान पद के लिए चुनाव लड़ने वाले लोगों को २ हजार रूपये, सदस्य ग्राम पंचायत को ५०० रूपये, क्षेत्र पंचायत सदस्य को २ हजार रूपये और जिला पंचायत सदस्य के लिए ४ हजार रूपए जमानत राशि जमा करनी होगी। वहीं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग व महिला प्रत्याशी को जमानत राशि का आधा ही जमा करना होगा। चुनावी खर्च के लिए प्रधान पद के प्रत्याशियों के लिए ७५ हजार रूपये, सदस्य ग्राम पंचायत के लिए १० हजार, क्षेत्र पंचायत ७५ हजार और जिला पंचायत सदस्य पद के लिए सर्वाधिक डेढ़ लाख रूपए चुनाव के दौरान खर्च करने की गाइडलाइन तैयार की गई है। बताया गया है कि प्रत्याशी का खर्च नामांकन करने के बाद से ही जोड़ा जाना शुरूहो

कुछ वर्ष बाद डेढ़ हजार अरब रुपये से भी ज्यादा का हो जाएगा दुनिया में ड्रोन का बाजार

नई दिल्ली। सेना दिवस परेड में पहली बार ड्रोन की ताकत का प्रदर्शन किया गया। दुश्मन के ठिकानों पर कहर बनकर टूटने वाले ड्रोन सेना की शान हैं। हालिया दौर में ड्रोन हर सेना के अहम अंग बनते जा रहे हैं। हालांकि, सैन्य गतिविधियों के अलावा विभिन्न शोध गतिविधियों से लेकर फोटोग्राफी तक ड्रोन का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। आइए जानते हैं कि आज कैसी है ड्रोन की स्थिति है और इसका भविष्य कैसा होगा...

अगले कुछ वर्षों में और बड़ा हो जाएगा ड्रोन का बाजार

साल 2019 में वैश्विक सैन्य ड्रोन बाजार 10.53 अरब डॉलर (770 अरब रुपये) का था। अनुमान है कि 2027 तक यह बाजार बढ़कर 23.78 (1,739 अरब रुपये)अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इस दौरान 12.12 फीसद की कुल वार्षिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। इसके साथ ही 2020-2025 के मध्य ड्रोन का व्यावसायिक बाजार 22.5 अरब डॉलर (1,645 अरब रुपये) से 42.8 अरब डॉलर (3,129 अरब रुपये) होने का अनुमान लगाया गया है। इस दौरान 13.8 फीसद कुल वार्षिक वृद्धि दर का अनुमान है। चीन स्थित डीजेआइ दुनिया में सबसे बड़ी ड्रोन निर्माता कंपनी है। वैश्विक बाजार का 70 फीसद यहीं से आते हैं। साधारण रूप से कहें तो ड्रोन एक उड़ने वाला विमान है, जिसमें पायलट नहीं है। मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) के रूप में ड्रोन आमतौर पर पायलट द्वारा नियंत्रित रोबोट होते हैं। हालांकि पूरी तरह से स्वायत्त ड्रोन विकास के अंतिम चरण में हैं, जिसके बाद ड्रोन की दुनिया और भी बेहतर होगी। ड्रोन को दो दशक से अधिक समय हो गया है, प्रथम विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और फ्रांस दोनों ने स्वचालित मानव रहित हवाई जहाज विकसित करने पर काम किया था। हालांकि ब्रिटेन ने 1917 में रेडियो से नियंत्रित होने वाले हवाई उड़ान का परीक्षण किया था।

औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करना चाहती है शिवसेना

कांग्रेस ने किया विरोध तो बोली- फिर से इतिहास पढ़े सेक्यूलर पार्टी

मुंबई। औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने के प्रस्ताव पर विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र में साथ-साथ सरकार चला रही शिवसेना ने अपने सहयोगी कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष किया है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष होने और नाम परिवर्तन का विरोध करने के लिए हमला किया है। 'सामना' के एक संपादकीय में कहा गया है कि औरंगाबाद का नाम बदलने से धर्मनिरपेक्ष दलों के वोट बैंक पर असर पड़ सकता है, क्योंकि नाम बदलने से मुस्लिम समाज नाराज होगा।

संपादकीय में लिखा गया है, भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष था। औरंगजेब को अन्य धर्मों से सख्त नफरत थी। उसने सिखों और हिंदुओं पर अत्याचार किया। हमें उनके अवशेषों पर ध्यान क्यों देना चाहिए? औरंगजेब कौन था? कम से कम महाराष्ट्र को यह समझाने की जरूरत नहीं है। इसलिए एक सच्चे मराठी और कट्टर हिंदू व्यक्ति को औरंगज़ेब से लगाव होने का कोई कारण नहीं है।

आगे लिखा है, औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने को लेकर एक राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस जैसी सेक्युलर पार्टियां औरंगाबाद को संभाजीनगर का नाम देने के पक्ष में नहीं हैं। औरंगाबाद का नाम बदलने से मुस्लिम समाज नाराज हो जाएगा।यानी, अल्पसंख्यकों का उनका वोट बैंक प्रभावित होगा। इसका अर्थ यह है कि उनकी धर्मनिरपेक्ष छवि पर सवाल उठाया जाएगा।

महा विकास अगाड़ी (एमवीए) सरकार जिसमें शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), और कांग्रेस शामिल हैं, ने नवंबर 2020 में एक साल का कार्यकाल पूरा किया था। आपको बता दें कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद शिवसेना, भाजपा नीत एनडीए से बाहर हो गई।

'सामना' के एक संपादकीय में कहा गया है कि औरंगाबाद का नाम बदलने से धर्मनिरपेक्ष दलों के वोट बैंक पर असर पड़ सकता है, क्योंकि नाम बदलने से मुस्लिम समाज नाराज होगा।

संपादकीय में आगे कहा गया है कि महाराष्ट्र में ऐसे लोगों का एक बड़ा वर्ग है जो नाम बदलने के पक्ष में हैं। आगे लिखा है, क्या औरंगाबाद का नामकरण लोगों के विकास की समस्या को हल करता है? नाम बदलने का विरोध करने वाले इस तरह के मुद्दे को उठा रहे हैं। हालांकि, कम से कम महाराष्ट्र में औरंगजेब का कोई निशान नहीं रखा जाना चाहिए। लोगों का एक बड़ा वर्ग है, जो इसके पक्ष में हैं। औरंगज़ेब के आदेश पर, महाराष्ट्र के राजा संभाजी को मुगल सरदारों द्वारा प्रताड़ित और मार डाला गया और उनके शव को पुणे के पास सड़क पर फेंक दिया गया। शिवसेना ने महाराष्ट्र के नेताओं से औरंगज़ेब के इतिहास को फिर से पढ़ने के लिए कहा।

'संभाजीनगर' का निर्णय एकमत से लिया जाएगा-आदित्य ठाकरे

आदित्य ठाकरे ने एक कार्यक्रम में कहा, हिंदू हृदयसम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे का संभाजीनगर सबसे पसंदीदा शहर रहा है, इसलिए राज्य की महाविकास आघाड़ी सरकार संभाजीनगर पर निर्णय एकमत से लेगी।

इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन मैनेजर रूपेश सिंह हत्याकांड में पटना पुलिस ने नौ संदिग्धों को उठाया

पटना। बिहार की राजधानी पटना में इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन मैनेजर रूपेश सिंह हत्याकांड के मामले में शक के आधार पर शनिवार की देर रात पुलिस ने पुनाईचक और राजाबाजार के नौ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मानें तो उठाये गये लोगों में जहां कई अपराधी प्रवृत्ति के हैं। वहीं कुछ के तार एयरपोर्ट से जुड़े रहे हैं। सूत्रों ने बताया है कि अपराधियों की तलाश में दिल्ली, यूपी व गोवा गई पुलिस टीम शनिवार को खाली हाथ पटना लौट आयी। ऐसे में सीसीटीवी का जो फुटेज हाथ लगा है, उसकी जांच व धुंधली तस्वीर उजागर करने के लिए लैब में भेजा गया है। दरअसल, वारदात के बाद रूपेश सिंह की कार में मिले मोबाइल को पुलिस ने जब्त किया है। कॉल डिटेल्स और मैसेज चैटिंग के दौरान हुई बातों को गंभीरता से लेते हुये

एसआईटी मामले की तह तक जाने व हत्या से जुड़ी कड़ियों का पता लगाने में जुटी है। सूत्रों की मानें तो शनिवार की देर शाम पुलिस ने पुनाईचक, राजाबाजार, कंकड़बाग और दीघा में दबिश देकर नौ संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस की एक टीम ने टेंडर या रुपए की लेनदेन की जांच करने के लिए एक सरकारी विभाग में भी दबिश दी थी। माना जा रहा है कि हत्या के तार पटना और दो अन्य जिलों से जुड़ रहे हैं। ऐसी भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि हो न हो शूटर इन्हीं तीनों जिलों के हों।

कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर योगी सरकार ने बढ़ाई सतर्कता, दुष्प्रचार और अफवाह पर होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ। कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर सरकार सख्त नजर रख रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरे प्रदेश में पुलिस-प्रशासन के साथ मिलकर ऐसी किसी भी प्रकार की अफवाहों लगातार निगरानी कर रहा है। मुख्यमंत्री ने वैक्सीन के बारे में अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोरोना वैक्सीन को लेकर अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं। सरकार ऐसे अराजकतत्वों से सख्ती से निपटेगी और उन पर कानूनी कार्रवाई भी करेगी। दर असल वैक्सीनेशन को लेकर पहले से

ही प्रदेश के विभिन्न भागों से अलग-अलग तरफ की अफवाहें फैलाए जाने की सूचना सरकार को लगातार मिल रही थी। कुछ गुप्चर एजेन्सियों की ओर से यह भी इनपुट था कि वैक्सीन के बारे में दुश्प्रचार कर कुछ लोग अव्यवस्था फैला सकते हैं। इसी के मद्देनजर सरकार ने वैक्सीनेशन को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। टीकाकरण को लेकर बनी उच्च स्तरीय स्टेट स्टेयरिंग कमेटी फार इम्यूनाजेशन के निर्देश के बाद सभी जिला व पुलिस प्रशासन को इस बारे में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को भी यह निर्देश दिए गए हैं कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह को तत्काल समाप्त करने के लिए अपनी तैयारी रखे। वैक्सीन को लेकर कोई किसी प्रकार का भ्रम न रहे इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग के महानिदेशकों के साथ प्रदेश के बड़े अस्पतालों व चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों को सबसे पहले वैक्सीन लगवाने के निर्देश दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि ऊपरी स्तर के चिकित्साधिकारियों को वैक्सीन लग जाने के बाद ही निचले स्तर को फ्रंट लाइन वर्करों को वैक्सीन लगाने की कार्यवाही शुरू की जाए ताकि आम लोगों में किसी प्रकार की कोई भ्रम की स्थिति न पैदा हो सके।

ठंड की मार के बीच दिल्ली की हवा हुई जहरीली, AQI 400 के पार

नई दिल्ली। कोहरे की चादर में लिपटी दिल्ली जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है। सिस्टम ऑफ एयर क्वॉलिटी एंड वेदर फोरकास्ट एंड रिसर्च का कहना है कि दिल्ली की हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है। AQI की बात करें तो दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 428 पर है। दिल्ली में बीते कई दिनों से कोहरे का कहर भी देखने को मिल रहा है। कल दिल्ली में धुंध इतनी थी कि विजेबिलिटी जीरो हो गई थी जिससे आम लोगों को काफी मश्क्कत करनी पड़ी। कई ट्रेन और उड़ाने भी इसके चलते कैंसिल हो गई। बीते कई दिनों से ठंड की मार झेल रही राजधानी को आने वाले समय में कुछ राहत मिल सकती है। असल में मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार से दिल्ली में हवा की दिशा मुख्यतः पूर्व दिशा की तरफ से रहेगी। इसके चलते दिल्ली के तापमान में दो से तीन डिग्री तक का इजाफा हो

सकता है। बता दें कि दिल्ली के लोगों के लिए पिछले पांच-छह दिन कड़ाके की सर्दियों वाले बीते हैं। कोहरे और शीत लहर ने दिल्ली वालो को जमकर सताया है। लेकिन, अब कड़ाके की सर्दियों से खासी राहत मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि पंजाब, पश्चिम उत्तर प्रदेश हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, असम और मेघालय में आज सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ है।

चीन में आईसक्रीम तक पहुंचा कोरोना वायरस, तीन सैंपल पॉजिटिव मिले

बीजिंग। दुनियाभर में इंसानों के बीच फैल रहा कोरोना वायरस अब आईसक्रीम तक भी पहुंच गया है। जी हां, आपने एकदम सही पढ़ा! मामला उत्तरी चीन के तियानजीन म्यूनिसिपैलिटी इलाके का है जहां महामारी के खिलाफ काम कर रहे अधिकारियों को तीन आईसक्रीम के सैंपल में कोरोना संक्रमण मिला है। अब प्रशासन उन लोगों की तलाश कर रहा है जो इन आईसक्रीम के संपर्क में आए थे।

आईसक्रीम तियानजीन की Daqiaodao Food Company ने बनाई थी। अब संक्रमण की वजह से कंपनी को 2089 आईसक्रीम के डिब्बे

नष्ट करने पड़े। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि करीब 4, 836 आईसक्रीम के डिब्बे संक्रमित हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, संक्रमण का पता लगने तक आईसक्रीम के आधे से ज्यादा डिब्बे बिक्री के लिए अलग-अलग वेंडर्स को बांटे जा चुके थे। तियानजीन के बाहर जिन प्रांतों में यह आईसक्रीम भेजी गई, वहां बाजार नियामकों को इसकी जानकारी दे दी गई है। जिन ग्राहकों ने यह आईसक्रीम खरीदी उन्हें भी अपने स्वास्थ्य की जानकारी देने के लिए कहा गया है।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक कंपनी ने अपने 1 हजार 662 कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट करवाया है और उन्हें क्वॉरंटीन कर दिया है।

अधिकारियों का मानना है कि कोरोना वायरस आईसक्रीम में इसलिए जीवित रह गया क्योंकि यह काफी ठंडी होती है। उनके मुताबिक, किसी संक्रमित व्यक्ति से ही आईसक्रीम तक कोरोना पहुंचा है।

यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के एक वायरोलॉजिस्ट डॉ. स्टीफन ग्रिफिन ने स्काई न्यूज को बताया कि आईसक्रीम में संक्रमण पहुंचने से घबराने की जरूरत नहीं है। संभव है कि यह किसी संक्रमित व्यक्ति से आया हो। शुरुआती जांच के मुताबिक, कंपनी ने न्यूजीलैंड से मंगाए मिल्क पाउडर और यूक्रेन से आयात किए वे पाउडर का इस्तेमाल कर आईसक्रीम बनाई थी।

बिहार की राजनीति में फिर उतर रहे शाहनवाज, 'मुस्लिम कार्ड' के पीछे जानें क्या है भाजपा की रणनीति ?

पटना। बिहार में भाजपा ने शाहनवाज हुसैन को विधान परिषद का उम्मीदवार बना सीमांचल में अपनी पैठ बनाने के लिए मुस्लिम कार्ड खेला है। गत बिहार विधानसभा चुनाव में ओवैसी ने अपनी पार्टी के 24 उम्मीदवार दिए थे, जिनमें पांच जीते। बाकी सीटों पर महागठबंधन को नुकसान पहुंचाया था। इस तरह ओवैसी ने उस क्षेत्र में पैठ बना ली है। महागठबंधन की जड़ें ओवैसी ने खोदी और अब भाजपा ने इसका लाभ लेने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। शाहनवाज हुसैन न सिर्फ सियासत के जाने-माने चेहरा हैं, बल्कि सीमांचल से ही उनका राजनीति में उदय हुआ है। किशनगंज से सीमांचल के जाने माने नेता तसलीमुद्दीन को हराकर पहली बार सांसद बने। इसके बाद भागलपुर से दो बार सांसद रहे। इनके बहाने भाजपा सीमांचल में अल्पसंख्यकों के बीच अपनी पैठ बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। शाहनवाज हुसैन को विधान परिषद भेजने का फैसला कर पार्टी ने अल्पसंख्यक कार्ड खेला है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में भाजपा ने भले ही किसी मुसलमान को टिकट नहीं दिया, पर शाहनवाज को आगे कर पार्टी ने अल्पसंख्यक समुदाय को साधने की कोशिश शुरू कर दी है। भाजपा के रणनीतिकारों की मानें तो शाहनवाज

इसके बाद वर्ष 2009 के चुनाव में भी भागलपुर से लोकसभा सांसद बने। सांसद रहने के दौरान वे सबसे पहले 14 अक्टूबर, 1999 को केंद्रीय खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री बने। एक मई 2001 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बने। सबसे कम उम्र में कैबिनेट मंत्री बनने रिकॉर्ड बनाने वाले शाहनवाज देश के कपड़ा मंत्री भी रह चुके हैं।

सीमांचल में पार्टी की सियासत के लिए अहम साबित हो सकते हैं। विस चुनाव के बाद ही भाजपा में किसी अल्पसंख्यक चेहरे को आगे करने की रणनीति पर मंथन चल रहा था। पहले पार्टी ने राज्यस्तरीय नेता को ही आगे लाने की योजना बनाई पर कोई ऐसा चेहरा नहीं दिखा जो ओवैसी फैक्टर को मात देने के साथ ही भाजपा के लिए असरदार साबित हो। तब रणनीतिकारों ने राष्ट्रीयस्तर पर बेबाकी से हर मंच पर भाजपा का मजबूती से पक्ष रखने वाले शाहनवाज को विधान परिषद में भेजकर अल्पसंख्यक कार्ड खेला। सुपौल में 12 दिसम्बर 1968 को जन्मे शाहनवाज ने दिल्ली आईआईटी से इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है। वह हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू व अरबी जानते हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा में राष्ट्रीय सचिव रहते युवा नेता की पहचान बनाई। पहली बार किशनगंज से वर्ष 1999 में मो. तसलीमुद्दीन को हराकर 13वीं लोकसभा के सदस्य बने। वहीं, सुशील कुमार मोदी के इस्तीफे के बाद खाली हुई भागलपुर सीट से 2006 में उपचुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे। इसके बाद वर्ष 2009 के चुनाव में भी भागलपुर से लोकसभा सांसद बने। सांसद रहने के दौरान वे सबसे पहले 14 अक्टूबर, 1999 को केंद्रीय खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री बने। एक मई 2001 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बने। सबसे कम उम्र में कैबिनेट मंत्री बनने रिकॉर्ड बनाने वाले शाहनवाज देश के कपड़ा मंत्री भी रह चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)